संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-23 अंक- 53
पृष्ठ 8
रविवार
08 नवम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

# शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- दिवाली से पहले अपने चेहरे...

विचार- रैली से बदलाव की उम्मीद

खेल- मोहम्मद शमी ने टेस्ट क्रिकेट से...

## पहले रामभक्तों से माफी मांग लें, फिर अयोध्या आएं

### अखिलेश के रामलला दर्शन प्लान पर बोले योगी

अयोध्या (संवाददाता)। 10वें दीपोत्सव पर अयोध्या पहुंचे सीएम योगी आदित्यनाथ विपक्ष पर जमकर बरसे। समाजवादी पार्टी को निशाने पर लेते हुए सीएम योगी ने अखिलेश यादव के अयोध्या आने पर तंज कसा। उन्होंने कहा, जिन्होंने अयोध्या को अपमानित करने का काम किया, जिनकी सरकार ने रामभक्तों पर गोलियां चलवाईं, वह अब राम मंदिर जाने की बात कर रहे हैं। ऐसे लोग अगर अयोध्या आ रहे हैं तो वह पहले रामभक्तों और संतों से माफी मांग लें। सपा पर हमलावर हुए सीएम योगी ने कहा, जो लोग अयोध्या की गलियों को



रक्तरंजित करते थे, आज वह भी अपने लोग का स्मरण नहीं कर पा रहे हैं। मुझे तो आश्चर्य होता है उन लोगों पर जब वह किसी कथा में जाते हैं तो उन्हें यह भी पता नहीं होता है कि कथा है या मुशायरा है। उन्होंने कहा, हमारे यहां कथाओं की अपनी मर्यादा है, उसकी पवित्र परंपरा है। सीएम योगी ने कहा, जिन लोगों ने अयोध्या को उपेक्षित किया था, अपमानित किया था, रामभक्तों पर गोलियां चलाई थीं, संतों पर लाठीचार्ज करवाया था वे लोग अयोध्या आएं जरूर लेकिन माफी मांग करके आएं। अखिलेश यादव का बिना नाम लिए सीएम योगी ने कहा, रामभक्तों और संतों से एक बार वह माफी मांगें। अपने कृत्यों से पश्चाताप कर लें। हमारे प्रभु सबको माफ करेंगे। लेकिन अहंकारी सत्ता को समाप्त करने में प्रभु क्षण नहीं लगाते हैं। सीएम योगी ने कहा, अयोध्या अब कभी कर्फ्यू के दायरे में नहीं आएगी। अब अयोध्या को कोई उपेक्षित नहीं कर पाएगा। अयोध्या के संतों को कोई अपमानित नहीं कर पाएगा और न ही कोई राम भक्तों पर गोली चला पाएगा। सीएम योगी ने सपा सरकार के समय को याद करते हुए कहा, पहले अयोध्या को तीन घंटे बिजली मिलती थी। आज अयोध्या देश की स्मार्ट सिटी और सोलर सिटी भी है। आज अयोध्या के पास धर्म पथ, भक्ति पथ श्रीराम पथ, जनमभूमि पथ के रूप में दुनिया को आकर्षित कर रहे हैं। पहले अयोध्या में आने पर अंकुश लगता था।

**शुभकामना**

दीपावली के शुभ अवसर पर समस्त नागरिकों, सुधी पाठकों, विज्ञापनदाताओं एवं शुभेच्छुओं को हार्दिक शुभकामनायें।

-सम्पादक

**अवकाश**

दीपावली एवं परेवा के उपलक्ष्य में प्रेस व कार्यालय में अवकाश रहेगा। अतः अगला अंक 11 नवम्बर को प्रकाशित होगा।

-व्यवस्थापक

## सिर्फ परिवार की चिंता कर रहे दोनों युवराज

### भाजपा अध्यक्ष नवीन ने राहुल-अखिलेश को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को कई अहम राजनीतिक मुद्दों पर अपनी बात रखी। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कामकाज की तारीफ की। विपक्षी नेताओं राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने राहुल गांधी को देश में अराजकता फैलाने का टूलकिट बताया। अखिलेश यादव को माफियाओं का शागिर्द कहा। एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा, उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले में भाजपा के प्रति लोगों के मन में भरोसा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जिस प्रकार से नेतृत्व मिला है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिस प्रकार से केंद्र की योजनाओं को लागू को करने के साथ-साथ राज्य में भी कानून-व्यवस्था को एक नए आयाम पर ले गए, उसने जनता को एक भरोसे की सरकार दी है।




दिवाली पर पीएम का संदेश : विकसित भारत के निर्माण का किया आह्वान, कहा

## निराशा पर उम्मीद की शाश्वत जीत का प्रतीक

**पीएम बोले- विकसित भारत के लिए सभी करें मिलकर प्रयास**




नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को देशवासियों को दिवाली की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह त्योहार अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और निराशा पर उम्मीद की शाश्वत जीत का प्रतीक है।

प्रधानमंत्री ने उम्मीद जताई कि त्योहार का यह मौसम सभी को दूसरों के प्रति दयालुता दिखाने, सकारात्मकता अपनाने और बेहतर भविष्य के निर्माण के लिए काम करने की प्रेरणा देगा।

पीएम मोदी ने भारत सरकार के श्जन संपर्क पोर्टलश पर जारी अपने संदेश में कहा, षप्रिय देशवासियों, दिवाली के पावन अवसर पर आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं! यह त्योहार अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और निराशा पर उम्मीद की शाश्वत जीत का उत्सव है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि दिवाली भारत की समृद्ध परंपराओं को संजोने और आपसी एकता के बंधन को मजबूत करने का भी अवसर है। उन्होंने कहा, षदिवाली हर घर को खुशियों, सद्भाव और समृद्धि से रोशन करे। त्योहार का यह मौसम हमें दयालुता फैलाने, सकारात्मकता अपनाने और उज्ज्वल भविष्य के लिए काम करने की प्रेरणा दे।

पीएम मोदी ने सभी से नए उत्साह और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने की अपील की।

**सीएम शुभेंदु ने की एबीवीपी की तारीफ, कहा**

## ब्लीचिंग पाउडर-फिनाइल, जिसकी जरूरत होगी मैं दूंगा

पश्चिम बंगाल (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय और जादवपुर विश्वविद्यालय में कथित राष्ट्रविरोधी गतिविधियों के खिलाफ अभियान चलाने के लिए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) के कार्यकर्ताओं की सराहना की। उन्होंने




संगठन से अपने प्रयास जारी रखने की अपील भी की। मानिकतला में काली पूजा के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीएम ने आरोप लगाया कि विश्वविद्यालयों में कुछ समूह श्कश्मीर मांगे आजादीश जैसे नारे लगाते हैं। उन्होंने एबीवीपी कार्यकर्ताओं से अपना अभियान जारी रखने का आग्रह करते हुए कहा कि इस श्सफाई अभियानश के लिए जहां भी जरूरत होगी, वह ब्लीचिंग पाउडर और फिनाइल उपलब्ध कराएंगे। इस दौरान उन्होंने ऐसी गतिविधियों में शामिल लोगों के लिए आपत्तिजनक शब्दों का भी इस्तेमाल भी किया। उन्होंने श्टुकड़े-टुकड़े गैंगश और श्कश्मीर मांगे आजादीश जैसे नारे लगाने वाले समूहों का जिक्र करते हुए उन्हें श्कॉकरोचश, श्खटमलश और श्दिमागी नक्सलीश बताया।

## सब सांविधानिक रूप से किया गया

### आपातकाल पर सोनिया ने किया इंदिरा गांधी का बचाव, मोदी सरकार पर लगाए क्या आरोप?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया है कि पिछले 12 वर्षों में देश के लोकतंत्र और संस्थाओं को गंभीर नुकसान पहुंचा है। इसके साथ ही सोनिया गांधी ने आपातकाल को लेकर भी अपनी राय रखी। अंग्रेजी अखबार श्द हिंदूश को दिए एक इंटरव्यू में सोनिया गांधी ने




कहा, ष्इमरजेंसी के बाद ही मुझे पता चला कि उस दौरान वास्तव में क्या हो रहा था और हालात कितने गंभीर थे। हां, लोकतांत्रिक अधिकारों पर रोक लगाई गई थी और बंदी प्रत्यक्षीकरण (हैबियस कॉर्पस) के अधिकार को भी निलंबित कर दिया गया था, लेकिन यह सब सांविधानिक तरीके से किया गया था। सोनिया गांधी ने कहा, षपिछले 12 वर्षों में हमारे देश की बुनियाद, हमारे लोकतंत्र और हमारी संस्थाओं को भारी नुकसान पहुंचाया गया है।ष उन्होंने कहा कि अब लोग इस नुकसान को समझने लगे हैं। सोनिया ने भरोसा जताया कि देश के मतदाता लोकतांत्रिक व्यवस्था को फिर से मजबूत करने और बेहतर शासन की वापसी का समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा, ष्इस सरकार के जाने के बाद भी हमारी व्यवस्थाओं को फिर से सही स्थिति में लाने में समय लगेगा। इसके लिए राजनीतिक दलों को काफी प्रयास करने होंगे।



## रामबाग स्टेशन पर प्लेटफार्म की कम ऊंचाई बनी आफत, नई मेमू ट्रेन में चढ़ना-उतरना चुनौती

प्रयागराज। नई फास्ट मेमू ट्रेन से यात्रियों का सफर आसान होने की उम्मीद थी, लेकिन रामबाग स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर चार की कम ऊंचाई परेशानी का सबब बन गई है। बुजुर्गों, महिलाओं और बीमार यात्रियों के लिए ट्रेन में चढ़ना–उतरना चुनौती बना हुआ है। पूर्वोत्तर रेलवे की ओर से बनारस और प्रयागराज रामबाग के बीच नई फास्ट मेमू ट्रेन सेवा शुरू होने से यात्रियों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलने की उम्मीद जगी है, लेकिन रामबाग स्टेशन का प्लेटफार्म नंबर चार यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। इस प्लेटफार्म की ऊंचाई काफी कम होने के कारण ट्रेन में चढ़ना और उतरना किसी चुनौती से कम नहीं है। ट्रेन के दरवाजे और प्लेटफार्म के बीच ऊंचाई का बड़ा अंतर होने से यात्रियों को काफी मशक्कत करनी पड़ती है। सबसे ज्यादा दुश्वारी महिलाओं, बुजुर्गों, दिव्यांगों, बीमार और शारीरिक रूप से कमजोर यात्रियों को उठानी पड़ रही है। कई बार ट्रेन में चढ़ते–उतरते समय संतुलन बिगड़ने और पैर फिसलने का खतरा बना रहता है। बनारस से आने वाली ट्रेन भी इसी प्लेटफार्म पर खड़ी होती है। ऐसे में यात्रियों की परेशानी केवल एक दिशा तक सीमित नहीं है। नई ट्रेन सेवा से मिली सहूलियत पर प्लेटफार्म की कम ऊंचाई भारी पड़ रही है। रेलवे को यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के मद्देनजर प्लेटफार्म की ऊंचाई दुरुस्त कराने की जरूरत है। इस संबंध में पूर्वोत्तर रेलवे वाराणसी मंडल के जनसंपर्क अधिकारी महेश गुप्ता का कहना है कि इस बारे में वरिष्ठ अफसरों से बात की जाएगी।

## डकैती के 44 साल पुराने मामले में दो आरोपियों को हाईकोर्ट ने किया बरी, अभियोजन नहीं दे सका सुबूत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति लक्ष्मी कांत शुक्ला ने डकैती के करीब 44 साल पुराने मामले में दो जीवित आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति लक्ष्मी कांत शुक्ला ने डकैती के करीब 44 साल पुराने मामले में दो जीवित आरोपियों को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि अभियोजन पक्ष लूटे गए सामान की सूची की प्रामाणिकता, आरोपियों की घटनास्थल से तत्काल गिरफ्तारी और बरामदगी मेमो की विश्वसनीयता साबित करने में विफल रहा। कोर्ट ने यह फैसला केशव देव व अन्य की याचिका पर दिया। मामला मथुरा के थाना राया क्षेत्र में मार्च 1978 में हुई कथित डकैती से जुड़ा है। ट्रायल कोर्ट ने वर्ष 1982 में सात आरोपियों को दोषी करार दिया था। इसमें चंद्रपाल को आठ साल व जसवंत को सात की सजा सुनाई गई थी। अपील के लंबित रहने के दौरान पांच आरोपियों की मृत्यु हो गई थी। इसके बाद अपील केवल जसवंत और चंद्रपाल के संबंध में विचाराधीन रह गई थी। अपीलार्थियों की ओर से दलील दी गई कि गवाहों के बयानों में घटनास्थल, गिरफ्तारी, हथियारों और लूटे गए सामान की बरामदगी को लेकर विरोधाभास हैं। लूटे गए सामान की सूचियां भी उनके लेखकों या हस्ताक्षरकर्ताओं से साबित नहीं कराई गईं। वहीं, पुलिस अधिकारी की गवाही में भी कई महत्वपूर्ण विसंगतियां सामने आईं। कोर्ट ने पाया कि लूटे गए सामान की सूची में बड़ी मात्रा में सोने–चांदी के आभूषण और नकदी का उल्लेख था जबकि बरामदगी के नाम पर केवल पांच सोने की अंगूठियां और 300 रुपये ही दिखाए गए। अभियोजन पक्ष इसका संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दे सका।

## बिना नोटिस व सुनवाई का मौका दिए न तोड़ें दुकान, कार्रवाई पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मेरठ में सुशीला जसवंत राय अस्पताल के सामने स्थित दुकान को तोड़ने और दुकानदार को बेदखल करने की कार्रवाई पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मेरठ में सुशीला जसवंत राय



अस्पताल के सामने स्थित दुकान को तोड़ने और दुकानदार को बेदखल करने की कार्रवाई पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति विवेक सरन की खंडपीठ ने बृजमोहन की याचिका पर दिया है। याची का कहना था कि वह अस्पताल के सामने मेडिकल स्टोर के पास दुकान/खोखे का लाइसेंसधारी है। नगर निगम की ओर से उसे बिना नोटिस व सुनवाई का अवसर दिए दुकान से बेदखल करने की धमकी दी जा रही है। साथ ही दुकान को ध्वस्त किए जाने की भी आशंका है। याची का यह भी कहना था कि दुकान हटाने से पहले उसे कोई वैकल्पिक स्थान आवंटित नहीं किया गया है। इस पर कोर्ट ने राज्य सरकार के स्थायी अधिवक्ता और नगर निगम के पक्ष के अधिवक्ता को संबंधित अधिकारियों से निर्देश प्राप्त करने के लिए कहा है। मामले की अगली सुनवाई 18 नवंबर को होगी।

## श्री हनुमत जयंती: विधि-विधान से पूजे गए श्रीरामदूत हनुमान, महाभिषेक के बाद हुआ दिव्य श्रृंगार

प्रयागराज। संगमनगरी के त्रिवेणी तट पर स्थित बड़े हनुमान मंदिर में जन्मोत्सव पर भक्ति और आस्था का अनुपम संगम देखने को मिला। महंत बलबीर गिरि महाराज के सानिध्य में बजरंगबली का पंचामृत एवं विविध पूजन सामग्रियों से महाभिषेक हुआ। इसके बाद पुष्पों और सिंदूर से दिव्य श्रृंगार कर महाआरती की गई। प्रयागराज के त्रिवेणी तट स्थित श्री बड़े हनुमान जी मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। पावन अवसर पर सुबह से ही मंदिर परिसर में धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला शुरू हो गया। महंत बलबीर गिरि महाराज के सानिध्य में बंधवा स्थित बड़े हनुमान जी का विधि–विधान से महाभिषेक किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार और धार्मिक विधियों के बीच बजरंगबली को दूध, दही, शहद, कुमकुम और हल्दी से स्नान कराया गया। इसके बाद प्रभु को सिंदूर अर्पित कर फल–फूलों से मनोहारी श्रृंगार किया गया। महाभिषेक और विशेष पूजन के उपरांत भव्य महाआरती संपन्न हुई। इसके बाद मंदिर के पट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए। बड़ी संख्या में पहुंचे भक्तों ने संकटमोचन के दिव्य स्वरूप के दर्शन कर पूजा–अर्चना की और परिवार की सुख–समृद्धि, आरोग्य एवं मंगलमय जीवन की कामना की। हनुमान जन्मोत्सव के पावन पर्व पर सायंकाल मंदिर में बजरंगबली का विशेष एवं मनोहारी श्रृंगार किया गया। रंग–बिरंगे पुष्पों और आकर्षक पूजन सामग्री से सजे प्रभु के दिव्य विग्रह की भव्य आरती उतारी गई। आरती के दौरान पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण और जय श्रीराम, जय हनुमान के जयघोष से गुंजायमान हो उठा। श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से रामदूत के चरणों में शीश नवाकर आशीर्वाद प्राप्त किया।

# एसआरएन अस्पताल: बैलून तकनीक से गर्भवती महिला के दिल का सफल ऑपरेशन, मां-शिशु सुरक्षित

प्रयागराज। स्वरूपरानी नेहरू (एसआरएन) अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग ने एक पांच माह की गर्भवती महिला के दिल का संकुचित माइट्रल वाल्व सफलतापूर्वक खोला। यह उपचार बिना ओपन हार्ट सर्जरी के बैलून तकनीक से किया गया। चिकित्सकों का दावा है कि प्रयागराज मंडल में गर्भावस्था के दौरान यह अपनी तरह का पहला उपचार है।



मांडा क्षेत्र की 25 वर्षीय महिला सांस फूलने, बार–बार खांसी और सीने में जकड़न से परेशान थी। उसकी हालत इतनी गंभीर थी कि लेटना और रात में सोना भी मुश्किल हो गया था। परिजन उसे एसआरएन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां जांच में हृदय का माइट्रल वाल्व गंभीर रूप से संकुचित मिला।

गर्भावस्था में हृदय पर अतिरिक्त दबाव और मां–शिशु दोनों के लिए संभावित खतरा था। चिकित्सकों ने बैलून तकनीक से उपचार का निर्णय लिया। कार्डियोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. पीयूष सक्सेना के निर्देशन में यह जटिल प्रक्रिया पूरी हुई। इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. वैभव श्रीवास्तव, डॉ. विमल कुमार निषाद और डॉ. ऋषिका पटेल ने इसे सफलतापूर्वक अंजाम दिया। कैथ लैब तकनीशियन विवेक, योगेश और रामनिवास का भी महत्वपूर्ण सहयोग रहा।

बैलून तकनीक का उपयोग

करीब चार मिलीमीटर के छोटे छेद से कैथेटर की सहायता से 24 मिलीमीटर का बैलून हृदय तक पहुंचाया गया। इस बैलून से संकुचित वाल्व को सफलतापूर्वक खोला गया। प्रक्रिया के दौरान गर्भस्थ शिशु को एक्सरे विकिरण से बचाने के लिए विशेष फीटल शील्ड का इस्तेमाल हुआ। उपचार के बाद महिला को सांस लेने में राहत मिली और हृदय के प्रेशर ग्रेडिएंट में सुधार हुआ। उपचार के बाद महिला और गर्भस्थ शिशु दोनों सुरक्षित हैं।

एसआरएन अस्पताल में आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं का लगातार विस्तार हो रहा है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की दक्षता और टीमवर्क के कारण अब अत्यंत जटिल मामलों का भी सफल उपचार संभव है। – डॉ. एके वर्मा, प्राचार्य, एमएलएन मेडिकल कॉलेज।

# त्योहार पर घर पहुंचने की उम्मीदों पर रेलवे की लेटलतीफी का ग्रहण, स्पेशल ट्रेनें 21 घंटे तक लेट

प्रयागराज। त्योहार पर अपनों के बीच पहुंचने की हसरत लेकर निकले यात्रियों के लिए रेल सफर मुसीबत बन गया है। भारी–भरकम किराया वसूलने के बावजूद स्पेशल ट्रेनें समय पर मंजिल तक नहीं पहुंचा पा रही हैं। प्रयागराज जंक्शन पर आने वाली बंगलूरू–कानपुर स्पेशल 21 घंटे 45 मिनट तक विलंबित रही, जबकि छिवकी आने वाली एलटीटी–रक्सौल स्पेशल 18 घंटे 30 मिनट लेट रही। कई अन्य ट्रेनें भी पांच से नौ घंटे तक देरी से चलीं।

त्योहारी सीजन में ट्रेनों की भारी लेटलतीफी ने यात्रियों की मुश्किलें इस हद तक बढ़ा दी हैं कि उनकी मंजिल उनसे कोसों दूर नजर आने लगी है। सबसे बुरा हाल विशेष ट्रेनों का है। इनमें यात्रियों ने त्योहार पर समय से घर पहुंचने की आस में जेब ढीली कर भारी–भरकम किराया चुकाया, लेकिन इसके बावजूद उन्हें घंटों और दिनों का इंतजार करना पड़ रहा है।

प्रयागराज जंक्शन पर आने वाली 04132 बंगलूरू–कानपुर स्पेशल ट्रेन रिकॉर्ड 21 घंटे 45 मिनट की देरी से चली। इस ट्रेन को पांच नवंबर की रात 11रू10 बजे जंक्शन पहुंचना था लेकिन छह की रात आठ बजे तक भी यह ट्रेन प्रयागराज नहीं पहुंच सकी। इसके अलावा 02418 शकूरबस्ती–प्रयागराज स्पेशल भी तीन घंटे 20 मिनट की देरी से पहुंची।




यही बदहाल तस्वीर प्रयागराज छिवकी स्टेशन की भी रही। यहां से गुजरने वाली स्पेशल ट्रेनें घंटों विलंबित रहीं। छिवकी आने वाली 05558 एलटीटी– रक्सौल स्पेशल ट्रेन को सुबह 4रू20 बजे आना था। जो 18 घंटे 30 मिनट तक लेट रही। इसके अलावा 09343 डॉ. अंबेडकरनगर–दानापुर स्पेशल 9 घंटे, 01051 लोकमान्य तिलक–बनारस स्पेशल सात घंटे 55 मिनट, 09821 धनबाद स्पेशल पांच घंटे 45 मिनट, 01449 हडपसर–मुजफ्फरपुर स्पेशल 5 घंटे 50 मिनट, 04150 दानापुर–पुणे स्पेशल 5 घंटे 30 मिनट, 01442 दानापुर–हडपसर स्पेशल 5 घंटे 30 मिनट और 09033 उधना–मालदा टाउन स्पेशल 2 घंटे 30 मिनट की देरी से गंतव्य की ओर बढ़ीं।

डॉ. अंबेडकर नगर स्पेशल से छिवकी स्टेशन पर उतरे शांतनु और पुष्पराज पटेल ने बताया कि स्पेशल ट्रेनें जहां–तहां रोक दी जाती हैं, इससे सफर का अनुभव अच्छा नहीं रहा। जंक्शन पर आने वाली 15632 गुवाहाटी–बाड़मेर एक्सप्रेस 7 घंटे 20 मिनट, 11071 कामायनी एक्सप्रेस 3 घंटे 30 मिनट, 15658 ब्रह्मपुत्र मेल 2 घंटे, 18310 जम्मूतवी–संबलपुर एक्सप्रेस 1 घंटा 20 मिनट और 15484 महानंदा एक्सप्रेस 1 घंटा 10 मिनट की देरी से पहुंचीं।

उत्तर मध्य रेलवे को दूसरे जोनल रेलवे से ही ट्रेनें विलंब से मिल रही है। एनसीआर जोन में उनकी समय पालनता पर विशेष ध्यान दिया जाता है। – डॉ. शिवम शर्मा, सीपीआरओ, एनसीआर।

# बरेली बार एसोसिएशन की संबद्धता पर दो महीने में फैसला करे यूपी बार कौंसिल

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बरेली बार एसोसिएशन को उत्तर प्रदेश बार कौंसिल की ओर से दी गई संबद्धता को लेकर दाखिल याचिका का निस्तारण कर दिया है। कोर्ट ने बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश को निर्देश दिया है कि याचिकाकर्ताओं की ओर से दाखिल आपत्ति पर कानून के अनुसार दो महीने के भीतर निर्णय लिया जाए। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बरेली बार एसोसिएशन को उत्तर प्रदेश बार कौंसिल की ओर से दी गई संबद्धता को लेकर दाखिल याचिका का निस्तारण कर दिया है। कोर्ट ने बार कौंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश को निर्देश दिया है कि याचिकाकर्ताओं की ओर से दाखिल आपत्ति पर कानून के अनुसार दो महीने के भीतर निर्णय लिया जाए। साथ ही, याचियों और बरेली बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों को अपना पक्ष रखने का पूरा अवसर दिया जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति अजीत कुमार और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने श्श्एडवोकेट बार एसोसिएशन जिला बरेली व अन्यश्श की याचिका पर दिया। याचिका में बरेली बार एसोसिएशन को दी गई संबद्धता को चुनौती दी गई थी। याचियों का कहना था कि संबंधित एसोसिएशन ने उत्तर प्रदेश बार कौंसिल के मॉडल बायलॉज और जारी परिपत्रों के अनुसार आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध नहीं कराए हैं। इसके बावजूद, केवल हलफनामे पर आश्वासन लेकर संबद्धता प्रदान कर दी गई। याचियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता ने दलील दी कि संबद्धता को लेकर बार कौंसिल के समक्ष पहले ही आपत्ति दाखिल की जा चुकी है लिहाजा उसका कानून के अनुसार निस्तारण किया जाए। बरेली बार एसोसिएशन की ओर से कहा गया कि उनकी एसोसिएशन वर्ष 1984 से 'सोसाइटी रजिस्ट्रेशन एक्ट' के तहत पंजीकृत एक पुरानी संस्था है। उन्होंने याचियों के आपत्ति दर्ज कराने के अधिकार पर भी सवाल उठाया। बार कौंसिल की ओर से कहा गया कि यदि आपत्ति दाखिल की गई है तो उस पर दोनों पक्षों को सुनकर कानून के अनुसार उचित निर्णय लिया जाएगा।

# एएमयू के नर्सिंग स्टाफ की समस्याओं पर दो महीने में निर्णय लें कुलपति, कारणयुक्त आदेश पारित करें

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के नर्सिंग स्टाफ की सेवा संबंधी समस्याओं पर कुलपति को दो महीने के भीतर निर्णय लेने का आदेश दिया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) के नर्सिंग स्टाफ की सेवा संबंधी समस्याओं पर कुलपति को दो महीने के भीतर निर्णय लेने का आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा कि एसोसिएशन की ओर से विस्तृत प्रत्यावेदन दिए जाने पर सुनवाई कर नियमानुसार कारणयुक्त आदेश पारित किया जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति मंजू रानी चौहान ने अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी नर्सेज एसोसिएशन की याचिका पर दिया। याचिका में जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज व अस्पताल और न्यू इमरजेंसी एंड ट्रॉमा सेंटर में नर्सिंग संवर्ग के पदों की संख्या बढ़ाने और रिक्त स्वीकृत पदों को भरने की मांग की गई थी। इसके अलावा नर्सिंग सुपरिंटेंडेंट का रिक्त पद भरने, वरिष्ठता सूची जारी कर पात्र कर्मचारियों को पदोन्नति देने, एमएसीपी का लाभ देने, वेतन निर्धारण और ग्रेड पे संबंधी समस्याओं के समाधान की मांग की गई थी।

सुनवाई के दौरान विश्वविद्यालय की ओर से प्रत्यावेदन पर विचार करने पर सहमति जताई गई। कोर्ट ने एसोसिएशन को तीन सप्ताह में कुलपति के समक्ष विस्तृत प्रत्यावेदन देने को कहा। कुलपति को निर्देश दिया कि उचित सुनवाई का अवसर देकर किसी कानूनी बाधा के अभाव में प्रत्यावेदन मिलने के दो महीने के भीतर निर्णय लें।

## नए अधिवक्ताओं को मुफ्त में गाउन देगा इलाहाबाद हाईकोर्ट बार, आजीवन सदस्यता शुल्क भी तय

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने अधिवक्ताओं के हित में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए



हैं। शुक्रवार को अध्यक्ष डॉ. सीपी उपाध्याय की अध्यक्षता में हुई कार्यकारिणी की आपातकालीन बैठक में, नए अधिवक्ताओं को मुफ्त गाउन देने और आजीवन सदस्यता शुल्क निर्धारित करने सहित कई प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए।

इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने अधिवक्ताओं के हित में कई महत्वपूर्ण फैसले लिए हैं। शुक्रवार को अध्यक्ष डॉ. सीपी उपाध्याय की अध्यक्षता में हुई कार्यकारिणी की आपातकालीन बैठक में, नए अधिवक्ताओं को मुफ्त गाउन देने और आजीवन सदस्यता शुल्क निर्धारित करने सहित कई प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किए गए। महासचिव संतोष कुमार मिश्रा के अनुसार, कार्यकारिणी ने निर्णय लिया है कि नई कार्यकारिणी के कार्यभार संभालने के बाद बार की सदस्यता लेने वाले नए अधिवक्ताओं को एक गाउन निशुल्क दिया जाएगा। आजीवन सदस्यता के लिए 12 नवंबर के बाद तीन महीने तक एकमुश्त 7,500 रुपये जमा करने होंगे। इसके बाद यह शुल्क 10,000 रुपये होगा। किस्तों में भुगतान करने वालों को फरवरी से जून 2027 तक हर महीने 2,000 रुपये जमा करने होंगे। इसके अलावा, अधिवक्ताओं के निधन पर अंतिम संस्कार के लिए मिलने वाले मृत्यु अनुदान के अतिरिक्त 5,000 रुपये की तत्काल सहायता दी जाएगी। वहीं, बार कर्मचारियों को दिवाली पर 15 दिन का अतिरिक्त वेतन बोनस के रूप में देने का निर्णय लिया गया। बैठक में कार्यकारिणी के पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

## एफआईआर रद्द करने के लिए हाईकोर्ट नहीं कर सकता मिनी ट्रायल, हाईकोर्ट ने खारिज की याचिका

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आगरा के फतेहाबाद विद्युत वितरण खंड में टेंडर प्रक्रिया में कथित हेराफेरी और 30.44 करोड़ रुपये के टेंडर घोटाले के मामले में एफआईआर रद्द करने की मांग में दायर याचिका खारिज कर दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने आगरा के फतेहाबाद विद्युत वितरण खंड में टेंडर प्रक्रिया में कथित हेराफेरी और 30.44 करोड़ रुपये के टेंडर घोटाले के मामले में एफआईआर रद्द करने की मांग में दायर याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा कि अदालत मिनी ट्रायल नहीं कर सकती और न ही इस स्तर पर आरोपियों के बचाव का मूल्यांकन कर सकती है। आरोपों की सत्यता जांच का विषय है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति चंद्रधारी सिंह और न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने की है। नीरज पाठक, राजू, रविकांत मिश्रा समेत 17 ने एफआईआर को रद्द करने की मांग में याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ताओं पर बिजली कार्यों के टेंडर में कथित अनियमितताओं का आरोप लगाया गया था। जांच रिपोर्ट में राजस्व को 30.44 करोड़ रुपये के नुकसान की बात कही गई थी।

याचियों की ओर से दलील दी गई कि कई आरोपी कर्मचारी लिपिकीय पदों पर कार्यरत थे। उनके पास टेंडर स्वीकृत करने या वित्तीय निर्णय लेने का अधिकार नहीं था। वहीं, राज्य सरकार की ओर से कहा गया कि लगाए गए आरोप सही हैं। इसलिए इसकी जांच आवश्यक है। कोर्ट ने कहा कि एफआईआर के साधारण अवलोकन से संज्ञेय अपराध का खुलासा होता है। कोर्ट ने कहा कि सरकारी कर्मचारियों के ईआरपी आईडी का इस्तेमाल डाटा भरने, जनरल परचेज ऑर्डर तैयार करने और अनुबंध अपलोड करने में किए जाने का आरोप है। कर्मचारियों ने वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर काम किया या अपने स्तर पर या उनके आईडी का दुरुपयोग हुआ। यह सभी विवादित तथ्य हैं। इनका निर्धारण जांच के दौरान किया जाना चाहिए। इसी के साथ कोर्ट ने एफआईआर रद्द करने की मांग वाली सभी संबद्ध याचिकाएं खारिज कर दीं।

## ट्रैक्टर की टक्कर से बाइक सवार की गई जान

प्रयागराज। कोरांव थाना क्षेत्र के सेमरी बाघराय गांव में शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। एक अनियंत्रित ट्रैक्टर और बाइक की आमने–सामने जोरदार टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान भारतगंज, मांडा निवासी मिराजुद्दीन उर्फ पप्पू (45) के रूप में हुई है। वह अपनी बेटी खुशबू बानो के निकाह का निमंत्रण बांटने कोरांव बाजार जा रहे थे। बाइक पर उनके साथ जिगिना निवासी साढ़ू भी थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि मिराजुद्दीन ट्रैक्टर के पहिए के नीचे आ गए। आसपास के लोगों ने उन्हें 108 एंबुलेंस से सीएचसी कोरांव पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक का साढ़ू हादसे में बाल–बाल बच गया। मिराजुद्दीन की इकलौती बेटी खुशबू का निकाह आगामी 15 नवंबर को होना है। पिता अपनी बेटी के विवाह का निमंत्रण बांटने निकले थे। सड़क हादसे में उनकी जान चली जाने से बेटी के हाथ पीले करने का सपना अधूरा रह गया। विवाह से पहले पिता की अर्थी देखकर बेटी और परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

## दिवाली पर व्हाट्सएप मैसेज से लौटेगी बिजली, जारी किए गए मोबाइल नंबर

प्रयागराज। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम ने दिवाली पर निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए विशेष तैयारी की है। शिकायतों के त्वरित निस्तारण हेतु झूंसी के पांचों बिजली उपकेंद्रों के अलग–अलग व्हाट्सएप ग्रुप बनाए गए हैं। इन ग्रुपों में प्रत्येक उपकेंद्र से 200 से 500 उपभोक्ता जुड़े हैं। इन व्हाट्सएप ग्रुपों में बिजली विभाग के अधिकारी, कर्मचारी, क्षेत्रीय पार्षद और संभ्रांत नागरिक भी शामिल हैं। उपभोक्ता बिजली संबंधी बाधा आने पर सीधे संबंधित अवर अभियंता को व्हाट्सएप मैसेज या फोन से सूचना दे सकेंगे। बिजली विभाग की हेल्पलाइन नंबर 1912 भी सक्रिय रहेगी। इसके अतिरिक्त, झूंसी जोन में एक अलग कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। यहां से बिजली आपूर्ति और शिकायतों की निगरानी की जाएगी। झूंसी गंगापार क्षेत्र के लाखों निवासियों और करीब दो लाख ग्रामीण उपभोक्ताओं को इन उपकेंद्रों से बिजली मिलती है।

## संक्षिप्त

### शराब के नशे में किया हमला, प्रेशर कुकर से पत्नी का सिर फोड़ा

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी के मोहनलालगंज थाना क्षेत्र के राजाखेड़ा गांव में एक महिला ने आरोप लगाया कि उसके पति ने शराब के नशे में प्रेशर कुकर से उसके सिर पर हमला किया। महिला के सिर में पांच टांके लगे। महिला गायत्री के मुताबिक, शनिवार सुबह उसके पति सरवरन ने उसके साथ मारपीट की। प्रेशर कुकर से सिर पर हमला होने से उसका सिर फट गया और खून बहने लगा। वह इलाज के लिए डॉक्टर के पास पहुंची। गायत्री ने बताया कि घटना के बाद उसने डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक सरवरन वहां से जा चुका था। महिला का आरोप है कि चोटिल हालत में थाने पहुंचने पर उसकी सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद वह तहसील समाधान दिवस में पहुंची और अधिकारियों को अपनी शिकायत बताई। गायत्री ने बताया कि उसकी शादी को 12 साल हो चुके हैं और उसके दो नाबालिग बच्चे हैं। उसका आरोप है कि पति शराब पीकर अक्सर उसके साथ मारपीट करता है और जमीन बेचकर परिवार को आर्थिक संकट में डाल रहा है।

### 12 दिसंबर को अयोध्या जाएंगे अखिलेश यादव, परिवार समेत रामलला और हनुमानगढ़ी में करेंगे दर्शन-पूजन

लखनऊ (संवाददाता)। सपा मुखिया अखिलेश यादव के राम मंदिर दर्शन को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। राम मंदिर का भव्य निर्माण हो चुका है, लेकिन अभी तक अखिलेश यादव रामलला के दर्शन करने नहीं पहुंचे हैं। हालांकि, अब उनके राम मंदिर में दर्शन करने को लेकर तारीख सामने आ गई है। सपा नेता एवं पूर्व मंत्री पवन पांडे ने इसकी पुष्टि की है। सपा नेता पवन पांडे ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि अखिलेश यादव पत्नी डिंपल यादव, बेटा और बेटी के साथ रामलला के दर्शन करेंगे। उनका यह दौरा पूरी तरह से धार्मिक होगा। पूरा दिन अखिलेश यादव अयोध्या में बिताएंगे। राम मंदिर दर्शन के पहले अखिलेश यादव हनुमानगढ़ी में भी दर्शन करेंगे। अयोध्या के साधु–संतों से अखिलेश यादव मुलाकात करेंगे और उनका आशीर्वाद लेंगे।

### समाधान दिवस में एसडीएम ने की सुनवाई

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी की सरोजनीनगर तहसील में शनिवार को हुए संपूर्ण समाधान दिवस में ज्यादातर अधिकारी मौजूद नहीं थे। फरियादी भी कम पहुंचे और कुछ लोग ही शिकायतें लेकर आए। कार्यक्रम की अध्यक्षता एसडीएम अभिषेक सिंह ने की। अमौसी गांव स्थित श्री शीतला देवी सेवा समिति के अध्यक्ष मणिकंचन सिंह ने समिति परिसर पर अवैध कब्जे की शिकायत की। उन्होंने आरोप लगाया कि गांव के सरविंद लोधी, सुजीत लोधी और उनके साथी परिसर पर कब्जे की कोशिश कर रहे हैं। मणिकंचन सिंह के मुताबिक, आरोपियों ने समिति के सेवादार से जबरन ताला–चाबी छीन ली। उन्होंने अध्यक्ष को गाली देने और जान से मारने की धमकी भी दी। परिसर में रखे दानपात्र से रुपये चोरी करने और चौहद्दी से छेड़छाड़ का आरोप भी लगाया गया। उन्होंने समिति परिसर को कब्जे से मुक्त कराने की मांग की। बंथरा के अंबरपुर निवासी कुलजीत सिंह ने सरैया गांव में खाता संख्या 00289, खसरा संख्या 407क और रकबा 0.1450 हेक्टेयर वाली नवीन परती भूमि पर अवैध निर्माण की शिकायत की। उन्होंने सरैया के विपिन यादव और पवन यादव पर सरकारी जमीन पर कब्जा कर निर्माण कराने का आरोप लगाया। कुलजीत सिंह के मुताबिक, तहसीलदार ने 8 मई 2026 को नोटिस जारी कर 15 दिन में निर्माण हटाने का निर्देश दिया था। इसके बावजूद कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि 6 जुलाई को शिकायत करने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं हुआ। कुलजीत ने राजस्व टीम बनाकर अवैध निर्माण हटाने की मांग की। कई अन्य लोगों ने भी शिकायतें दर्ज कराईं। एसडीएम ने संबंधित अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर जांच कर शिकायतों का निपटारा करने के निर्देश दिए।

### प्रदीप कुमार यादव समाजवादी छात्र सभा के सचिव बने

लखनऊ (संवाददाता)। सरोजनीनगर स्थित अमौसी के बेहटवा निवासी प्रदीप कुमार यादव 'मोनू' को समाजवादी छात्र सभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का सचिव बनाया गया है। समाजवादी छात्र सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. इमरान ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर उनका मनोनयन किया। डॉ. इमरान ने उम्मीद जताई कि प्रदीप कुमार यादव समाजवादी पार्टी की नीतियों को लोगों तक पहुंचाएंगे और संगठन को मजबूत करेंगे। शनिवार को सरोजनीनगर में स्कूटर इंडिया चौराहे के पास बिजनौर रोड स्थित प्रदीप के कार्यालय पर लोगों ने उन्हें फूलमाला पहनाकर बधाई दी। इनमें दीपक यादव, विनोद शुक्ला, गुड्डू भार्गव, रजनीश यादव, ज्ञान सिंह, गौरव ज्वेलर्स और सुधीर कुमार शामिल थे। लोगों ने डॉ. इमरान और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का आभार भी जताया।

### लूट के दो आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ (संवाददाता)। काकोरी में पुलिस ने लूट के कुछ मिनट बाद दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनके पास से लूटे गए 16,500 रुपए और 550 ग्राम गांजा मिला। घटना 6 नवंबर की शाम की है। दुर्गागंज चौराहे पर चेकिंग के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि दो लोग एक व्यक्ति से 16,500 रुपए लूटकर भाग रहे हैं। पुलिस टीम ने दोनों को पकड़ लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अभिनव यादव और विकास के रूप में हुई है। पुलिस ने उनके पास से लूटे गए पूरे 16,500 रुपए बरामद किए। तलाशी में 550 ग्राम गांजा भी मिला। थाना काकोरी प्रभारी निरीक्षक सतीश चन्द्र राठौर के नेतृत्व में पुलिस ने दोनों के खिलाफ लूट और एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज किया। इसके बाद उन्हें जेल भेज दिया गया।

### सड़क पर चढ़ाते समय ट्रैक्टर पलटा, चालक की मौत

लखनऊ (संवाददाता)। माल ब्लॉक की नबीपनाह पंचायत के भगवत खेड़ा गांव में शनिवार को ट्रैक्टर पलटने से चालक अभिषेक यादव उम्र लगभग 23 साल की मौत हो गई। हादसा सुबह खेत से पारा भरकर ट्रैक्टर सड़क पर चढ़ाते समय हुआ। ट्रैक्टर का संतुलन बिगड़ गया और वह अभिषेक के सीने पर पलट गया। उन्हें अस्पताल ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। अभिषेक यादव भगवत खेड़ा के रहने वाले थे। उनके पिता का पहले ही देहांत हो चुका था। वह तीन भाइयों में सबसे छोटे थे और किसानी का काम करते थे। परिवार में उनके भाई और अन्य लोगों का रो–रोकर बुरा हाल है।

# पं. श्याम नारायण मिश्र 'श्याम' की प्रथम पुण्यतिथि पर संगोष्ठी एवं कवि सम्मेलन आयोजित

### साहित्य में सदाचार, नैतिकता, चरित्र और देशभक्ति के मूल्यों को प्रतिष्ठित करने वाले रचनाकार थे श्याम जी : अनिल प्रताप त्रिपाठी 'प्रवात'

प्रतापगढ़। सृजना साहित्यिक संस्था उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में जनपद के लब्धप्रतिष्ठ साहित्यकार एवं अधिवक्ता पंडित श्याम नारायण मिश्र श्श्यामश की प्रथम पुण्यतिथि पर संगोष्ठी एवं कवि सम्मेलन का आयोजन श्याम भवन, जयन्ती नगर, बाबागंज, प्रतापगढ़ में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना से हुआ, जिसे कवि सुरेश नारायण दूबे श्व्योमश ने प्रस्तुत किया।

संगोष्ठी में पंडित श्याम नारायण मिश्र श्श्यामश के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए मुख्य अतिथि अनिल प्रताप त्रिपाठी श्प्रभातश ने कहा कि श्याम जी प्रेरणादायी व्यक्तित्व के धनी थे। उनके साहित्य में सदाचार, नैतिकता, चरित्र निर्माण और देशभक्ति जैसे उच्च जीवन मूल्यों की अभिव्यक्ति दिखाई देती है। उनके शिष्य एवं अनुयायी उनकी शिक्षाओं और आदर्शों पर चलें, यही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे लब्धप्रतिष्ठ साहित्यकार एवं पूर्व बाल न्यायाधीश डॉ. दयाराम मौर्य श्रत्नश ने कहा कि पंडित श्याम नारायण मिश्र श्श्यामश का साहित्य भाषा, भाव और शैली की दृष्टि से उच्च कोटि का है। उन्होंने अपनी रचनाओं में मानवीय संवेदनाओं और जीवन के विभिन्न पक्षों के दर्द को प्रभावशाली ढंग से उकेरा है। वे अलंकार, रस और छंद के मर्मज्ञ थे। साहित्यकारों को उनकी रचनात्मक परंपरा से प्रेरणा लेनी चाहिए।



इस अवसर पर उनके सुपुत्र श्री रुद्र नारायण मिश्र ने अपने पिता की काव्य रचनाओं की पंक्तियों का सस्वर पाठ कर उनकी स्मृतियों को ताजा किया। उन्होंने भावुक होते हुए कहा कि उनके पिता किसान, मजदूर और देश के सैनिकों के प्रति अत्यंत संवेदनशील एवं भावुक हृदय रखते थे। उन्होंने कहा कि जब तक पिताजी जीवित थे, तब तक वे स्वयं को बच्चा ही समझते थे, लेकिन उनके परलोक गमन के बाद पहली बार जिम्मेदारियों का वास्तविक एहसास हुआ और जीवन का भार अपने कंधों पर उठाना पड़ा। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित कवि सम्मेलन में कवियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से दिवंगत साहित्यकार को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कथाकार एवं कवि प्रेम कुमार त्रिपाठी श्प्रेमश ने अपनी कविता

मन करता है पहले लिख दूं अंतिम वाली कविता प्रस्तुत की। । अमित शुक्ल ने अपनी परिचयात्मक कविता श्अमित ने अमित को अमित बार देखाश सुनाकर श्रोताओं का ध्यान आकर्षित किया। डॉ. दयाराम मौर्य श्रत्नश ने श्स्मृतियों में तुम ही तुम हो, तुम् में ही स्मृतियां के माध्यम से पंडित जी की स्मृतियों को स्वर दिया। उदय राज उजड़ड जी ने श्जीने की ख्वाहिश है तो मरने की तैयारी रखश जैसी पंक्तियों से जीवन दर्शन प्रस्तुत किया।

सुरेश नारायण दूबे श्व्योमश ने अपनी रचना श्रच दिया चित्र तेरे अनुपम...श का पाठ किया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे राधेश्याम दीवाना ने श्एक कवि जी को देखा तो ऐसा लगाश रचना सुनाकर खूब तालियां बटोरीं।

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में अनिल त्रिपाठी, प्रबंधक डॉल्फिन पब्लिक स्कूल उपस्थित रहे। कवि सम्मेलन में महावीर त्रिपाठी, अरविंद मिश्र, अमरनाथ श्बेजोड़श, राम निरंजन शुक्ल, माधव प्रसाद यादव सहित अनेक साहित्यकार एवं कवि उपस्थित रहे। कार्यक्रम साहित्यिक वातावरण में भावपूर्ण श्रद्धांजलि एवं काव्य प्रस्तुतियों के साथ संपन्न हुआ।

# आस्था एवं स्वच्छता के उत्सव से 1,15,000 दीपों से रोशन हुआ प्रयागराज का महर्षि भारद्वाज आश्रम

प्रयागराज। स्वच्छ दीपावलीदृशुभ दीपावली अभियान के अंतर्गत ज्योतिर्मय यूपी कार्यक्रम के तहत पर्यटन विभाग, नगर निगम प्रयागराज एवं जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में महर्षि भारद्वाज आश्रम में भव्य दीपोत्सव का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर सर्वप्रथम आश्रम परिसर में स्वच्छता अभियान चलाकर साफ–सफाई की गई।

तत्पश्चात जनसहभागिता के साथ 1,15,000 दीप प्रज्वलित कर आश्रम परिसर को जगमग किया गया। इस आयोजन में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित दीपों का उपयोग कर महिला स्वावलंबन एवं स्थानीय उत्पादों को भी प्रोत्साहित किया गया। महापौर श्री उमेश चंद्र गणेश केसरवानी जी, महानगर अध्यक्ष श्री संजय गुप्ता जी एवं स्थानीय पार्षद श्री आनंद जी ने आमजन से आस्था, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण को अपनाते हुए दीपावली मनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में अपर नगर आयुक्त श्री शादाब असलम जी, सहायक नगर आयुक्त सुश्री दीपशिखा पांडे जी सहित नगर निगम प्रयागराज के अधिकारी, कर्मचारी एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। यह दीपोत्सव केवल दीपों का प्रकाश नहीं, बल्कि स्वच्छता, जनभागीदारी, महिला सशक्तिकरण और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का प्रेरणादायी संदेश बना।



### दिवाली पर किन्नर प्रियंका सिंह रघुवंशी की खास अपील

# आनलाइन खरीदारी छोड़ें, स्थानीय दुकानदारों से सामान खरीदकर रोशन करें उनकी दिवाली

लखनऊ। दिवाली के पावन पर्व पर किन्नर समाज की सामाजिक कार्यकर्ता एवं आदिशिव ट्रांसजेंडर फाउंडेशन की अध्यक्ष प्रियंका सिंह रघुवंशी ने आमजन से एक भावपूर्ण अपील की है। उन्होंने कहा कि इस दिवाली ऑनलाइन खरीदारी के बजाय स्थानीय दुकानदारों, रेहड़ी–पटरी व्यापारियों एवं छोटे व्यवसायियों से सामान खरीदकर उनके घरों में भी खुशियों का दीप जलाएं।

प्रियंका सिंह रघुवंशी ने कहा कि दिवाली केवल अपने घर को रोशन करने का त्योहार नहीं, बल्कि दूसरों के जीवन में खुशियां बांटने का भी पर्व है। हमारे आसपास सड़क किनारे, पटरी पर और छोटी–छोटी दुकानों पर अनेक व्यापारी भाई–बहन पूरे वर्ष मेहनत करके अपने परिवार का पालन–पोषण करते हैं। त्योहारों के दौरान होने वाली बिक्री ही उनके लिए आर्थिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने कहा, "आपकी छोटी–सी खरीदारी किसी छोटे दुकानदार के घर में बड़ी खुशी ला सकती है। जब आप स्थानीय दुकानदारों से दीपक, सजावट का सामान, मिठाइयां और अन्य आवश्यक वस्तुएं खरीदते हैं, तो आप केवल सामान नहीं खरीदते, बल्कि किसी परिवार की दिवाली को खुशहाल बनाने में भी योगदान देते हैं।"



प्रियंका सिंह रघुवंशी ने सभी प्रदेशवासियों एवं देशवासियों से अपील की कि इस दिवाली स्वदेशी और स्थानीय व्यापार को प्राथमिकता दें। ऑनलाइन खरीदारी के बढ़ते चलन के बीच स्थानीय व्यापारियों का साथ देकर उनके रोजगार और आजीविका को मजबूत बनाएं।

"इस दिवाली एक संकल्प लें दृ स्थानीय दुकानदारों से खरीदारी करें, छोटे व्यापार को बढ़ावा दें और हर व्यापारी के घर में खुशियों का दीप जलाएं।"

उन्होंने सभी व्यापारी भाइयों–बहनों को दिवाली की शुभकामनाएं देते हुए उनके सुख, समृद्धि एवं मंगलमय भविष्य की कामना की।

## शुभ–शुभ हो दीपावली

(छप्पय)

मन में भर उल्लास प्रेम की गंगा बहती।
सजे हुए हैं द्वार कहानी उत्सव कहती।
धूपदीप की गंध महकती धरती सारी।
सोने जैसी ज्योति लगे सबको अति प्यारी।
अमा सुहानी हो गई तारों की यह बात है।
दीपों की मुस्कान से कटती काली रात है।।

झिलमिल झिलमिल दीप घरों में रौनक छाई।
श्री गणेश के साथ मातु लक्ष्मी हैं आई।
हर्षित है संसार झूमते हैं नर नारी।
रिद्धि–सिद्धि का वास बने पावन फुलवारी।
शुभ–शुभ हो दीपावली है मंगलमय कामना।
वैभव–यश की वृष्टि हो करें ईश से कामना।।

**डॉ. प्रदीप चित्रांशी**
लूकरगंज, प्रयागराज

### दिवाली से एक दिन पहले 500 महिलाओं को राशन किट–कपड़े मिलें

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में शनिवार को दिवाली से एक दिन पहले मरवह एजुकेशनल फाउंडेशन की ओर से 500 जरूरतमंद विधवा महिलाओं को दिवाली का तोहफा दिया गया। छोटी दिवाली पर आयोजित कार्यक्रम में आर्थिक रूप से कमजोर और बेसहारा महिलाओं को कपड़े और एक महीने का राशन वितरित किया गया। संस्था ने महिलाओं को चिह्नित कर उनकी जरूरत के मुताबिक सहायता पहुंचाई। मौलाना मनाजीरूल ने कहा कि कमजोरों और जरूरतमंद लोगों की मदद करना इबादत का हिस्सा होता है। हर साल संस्था लोगों की मदद के लिए आगे आती है। कार्यक्रम में दारुल उलूम नदवा के उलमा और सामाजिक कार्यकर्ता संदीप पांडेय मौजूद रहे। संस्था के अध्यक्ष मौलाना मनाजीरूल नदवी ने बताया कि फाउंडेशन पिछले 20 वर्षों से शिक्षा, स्वास्थ्य और समाज कल्याण के क्षेत्र में काम कर रहा है। इसी कड़ी में 500 गरीब, असहाय और जरूरतमंद विधवा महिलाओं को दीपावली उपहार और राशन किट दी गई। मौलाना मनाजीरूल नदवी ने कहा कि जरूरतमंदों की मदद करना हर व्यक्ति की सामाजिक जिम्मेदारी है। दिवाली के मौके पर मोहब्बत का दीप जलाने की कोशिश की गई है। छोटी दिवाली पर हिंदू समाज की विधवा माताओं और बहनों को एकत्र कर छोटी सी मदद पहुंचाई गई। उन्होंने कहा कि कोई भी त्योहार किसी एक समुदाय तक सीमित नहीं होता। सभी लोग एक–दूसरे के त्योहारों में शामिल होकर खुशियां बांटते हैं। यही गंगा–जमुनी तहजीब है। सामाजिक कार्यकर्ता संदीप पांडेय ने कहा कि त्योहार मोहब्बत और भाईचारा बांटने का नाम है। मदद करते समय धर्म और जाति नहीं, बल्कि इंसानियत को प्राथमिकता देनी चाहिए। संस्था का यह प्रयास सराहनीय है। उन्होंने लोगों से भी अपील की कि समय–समय पर समाज के कमजोर वर्गों की आर्थिक मदद के लिए आगे आएं। त्योहार आपसी गिले–शिकवे दूर करने और जरूरतमंदों की मदद के लिए हाथ बढ़ाने का अवसर होते हैं।

### टक्कर मारने का बहाना बनाकर युवक का मोबाइल चुराया

लखनऊ (संवाददाता)। नहरिया चौराहे पर सड़क पार कर रहे युवक को टक्कर मारने का बहाना बनाकर दो शातिरों ने मोबाइल चोरी कर लिया। आरोपियों ने पहले युवक से विवाद किया और फिर ध्यान भटकाकर उसकी लोअर की जेब से मोबाइल निकाल लिया। वारदात के बाद दोनों स्प्लेंडर बाइक से फरार हो गए। पूरी घटना करीब 30 सेकंड में हुई। गाजीपुर के आमघाट न्यू कॉलोनी निवासी सुमित कुमार श्रीवास्तव (34) ने पुलिस को शिकायत में बताया कि 4 नवंबर की रात करीब 11.05 से 11.15 बजे के बीच वह नहरिया चौराहे पर बदनाम लड्डू वाले की दुकान के सामने डिवाइडर के पास सड़क पार कर रहे थे। उन्हें वाराणसी जाने वाली बस पकड़नी थी। इसी दौरान सफेद शर्ट पहने 20–22 साल के दुबले–पतले युवक ने कीपैड मोबाइल पर बात करने का नाटक करते हुए जानबूझकर अपना पैर उनके पैर के सामने रख दिया। हल्की टक्कर लगने के बाद आरोपी उनसे बहस करने लगा। सुमित ने अनदेखा कर आगे बढ़ने की कोशिश की तो वह उनके हाथ में पकड़े कार्टून पर बार–बार हाथ मारने लगा। इससे उनका ध्यान कार्टून की ओर चला गया। इसी बीच आरोपी ने दूसरे हाथ से उनकी लोअर की जेब से मोबाइल निकाल लिया। वारदात के दौरान आरोपी का साथी सफेद शर्ट पहने स्प्लेंडर बाइक स्टार्ट कर खड़ा था।

### हर बार अपना ही रिकॉर्ड तोड़ता है दीपोत्सव–जयवीर

लखनऊ (संवाददाता)। रामपथ पर रामायण साकार हो उठी। ढोल–नगाड़ों की गूंज, लोक कलाकारों की थिरकन और जय श्रीराम के उद्घोष के बीच जब रथों पर सजी झांकियां आगे बढ़ीं तो लगा मानो त्रेतायुग अयोध्या की धरती पर उतर आया हो। कहीं प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता के दिव्य स्वरूप, कहीं गदा उठाए बजरंगबली का पराक्रम। रामायण के प्रसंगों का सजीव मंचन श्रद्धालुओं को भावविभोर कर रहा था। शोभायात्रा में महिला कलाकार कंधों पर ढोल रखकर थाप दे रही थीं। नगाड़ों और ताशों की गूंज के बीच कलाकारों के करतब और विभिन्न राज्यों के लोकनृत्य रामपथ को उत्सव के विराट मंच में बदल रहे थे।


**उत्तर मध्य रेलवे**

ई-प्रापण निविदा सूचना संख्या : 31/2026 दिनांक: 03.11.2026

ई-प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरि0 मंडल सामग्री प्रबंधक, उम्मारे0, प्रयागराज निम्नलिखित मदों के लिये ई-प्रापण निविदा आमंत्रित करते हैं।

| | |
|---|---|
| निविदा संख्या : 19267511 | मात्रा : 04 नग |
| विवरण : मशीन रूम-लेस और गियरलेस प्रकार की हैवी ड्यूटी लिफ्ट: 14 यात्रियों की क्षमता और दो स्टॉप | |
| ई.म.डी.रू.: 1,47,870/- | निविदा खुलने की तिथि : 08/12/2026 |
| निविदा संख्या : 19267507 | मात्रा : 11 नग |
| विवरण : मशीन रूम-लेस और गियरलेस प्रकार की हैवी ड्यूटी लिफ्ट: 14 यात्रियों की क्षमता | |
| ई.म.डी.रू.: 4,06,620/- | निविदा खुलने की तिथि : 16/12/2026 |

नोट-1. उपरोक्त सभी ई प्रापण निविदाओं का पूरा विवरण IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर उपलब्ध हैं। 2. उपरोक्त निविदाओं हेतु ई-बिड के अतिरिक्त अन्य किसी भी प्रारूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। बेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आयकरे I.T. Act-2000 के अन्तर्गत CCA द्वारा जारी Class III Digital हस्ताक्षर प्रमाण पत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। 3. संलग्न किये जाने वाले सभी प्रपत्र हस्ताक्षरित होने चाहिये। 4. निविदा की दरें केवल डिजिटल हस्ताक्षरित फाइनेन्सियल रेट पेज पर ही विचारणीय हैं। दरें तथा अन्य वित्तीय भार अन्य किसी भी फार्म/लेटर हेड पर यदि संलग्न हैं तो उस पर विचार नहीं किया जायगा तथा सीधे तौर पर अमान्य कर दिया जायेगा। • उपरोक्त निविदा सूचना को उत्तर मध्य रेलवे की वेबसाईट https://www.ncr.indianrailways.gov.in पर अपलोड कर दिया गया है। किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिये IREPS की वेबसाईट की हेल्पलाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 2546/26 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in CPRONCR

# सम्पादकीय.....

## संस्कृति रोकेगी प्रदूषण

दिवाली से पहले ही दिल्ली का प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंचना गंभीर चिंता का विषय है। कल्पना करना कठिन नहीं है कि दिवाली पर पटाखे छोड़े जाने के बाद क्या स्थिति होगी? कई स्थानों पर एक्यूआई का चार सौ पार कर जाना हमारे स्वास्थ्य की दृष्टि से भयावह संकट ही है। इन हालात पर सुप्रीम कोर्ट ने तल्ख टिप्पणी करने के बावजूद कहा है कि पुराने उपाय नाकाफी हैं। हम बचाव की बात तब कर रहे हैं जब एक्यूआई चार सौ पार कर गया है। कोर्ट ने बार–बार कहा कि इस प्रदूषण को कम करने के लिये सांस्कृतिक बदलाव बड़ी भूमिका निभा सकता है। हम जश्न मनाएं लेकिन पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी के साथ। इसके लिये लोगों को जागरूक करने की जरूरत होगी। अदालत में चिंता जतायी गई कि दिवाली के पास वाहनों के बंपर–टू–बंपर चलने, जाम लगने व बढ़ती आवाजाही से प्रदूषण की समस्या सामने आती हैं। उसके मूल में हमारे दिखावे की संस्कृति भी है। ये जो गिफ्ट देने की संस्कृति है, उसे हमने स्टेटस सिंबल बना दिया है। जिससे सड़कों में अप्रत्याशित रूप से वाहनों की आवाजाही होती है। इस प्रवृत्ति को रोकने और सांस्कृतिक बदलाव से ही समस्या का समाधान संभव है। हालांकि, प्रदूषण नियंत्रण के मद्देनजर अदालती आदेश है कि दिल्ली ही नहीं बल्कि पूरे एनसीआर, जिसमें हरियाणा, उत्तर प्रदेश व राजस्थान के कई जिले शामिल हैं, में सात से आठ नवंबर को सुबह छह से सात और रात को आठ से दस बजे तक ही ग्रीन पटाखे छोड़ने की अनुमति होगी। साथ ही अस्पतालों– स्कूलों के तीन सौ मीटर दायरे में रोक लगाई गई है। लेकिन सवाल यह है कि क्या हम इतने ईमानदार हैं कि इस अवधि में केवल ग्रीन पटाखे ही चलाएंगे? क्या दुकानदार ग्रीन पटाखों की आड़ में घातक पटाखे नहीं बेचेंगे? अदालत में बताया गया कि दिल्ली में प्रदूषण की ऐसी हालत है कि हवा में सांस लेना तीस सिगरेट पीने के बराबर है। दिल्ली में घातक प्रदूषण और दिवाली के मद्देनजर स्वतरू संज्ञान लेते हुए सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश वाली बैंच ने जहां गहरे तंज किए हैं, वहीं मार्गदर्शक सलाह भी दी है। बाकायदा सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची व जस्टिस वी.मोहना की पीठ ने कहा कि उम्मीद है कि आप सभी दिल्ली–एनसीआर के मौसम का आनंद ले रहे होंगे। वरिष्ठ अधिवक्ता अमिकस क्यूरी अपराजिता सिंह ने कोर्ट को बताया कि प्रदूषण का स्तर इतना गंभीर है कि हमारी आवाज बैठ रही है। अदालत ने बल दिया कि दिवाली मनाने के साथ–साथ प्रदूषण के प्रति जागरूकता बढ़ाना भी जरूरी है। कोर्ट ने स्वीकारा कि सिर्फ पाबंदियां लगाने से समस्या हल नहीं होगी बल्कि इससे नियमों के उल्लंघन के मामले और बढ़ सकते हैं। दिल्ली के लोग बहुत टेलेंटेड हैं, वे नये रास्ते निकाल लेते हैं। सीजेआई ने कहा कि हमें त्योहार की पुरानी परंपराओं और रीति–रिवाजों पर फिर से गौर करने की जरूरत है। त्योहार मनाते समय हमें पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का अहसास भी होना चाहिए। वहीं न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची ने टिप्पणी की कि यह मुद्दा त्योहारों के व्यवसायीकरण से भी जुड़ा है। दिवाली के संदर्भ में मुख्य न्यायाधीश ने एक संवेदनशील टिप्पणी आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को लेकर भी है। उन्होंने चेताया कि इस वर्ग को प्रदूषण फैलाने के लिये जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। यह वर्ग प्रदूषण का सबसे ज्यादा शिकार होता है। इनके लिये दिवाली का त्योहार जीविका की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण होता है। खासकर उन लोगों के लिये जिनकी आजीविका इस मौसमी काम व त्योहार पर निर्भर है। बल्कि सड़कों पर बढ़ती वाहनों की आवाजाही से इनका काम–धंधा बुरी तरह प्रभावित होता है। सही मायने में प्रदूषण वे लोग फैलाते हैं, जो इसके घातक प्रभाव के असर का खर्च उठा सकते हैं। एक तरह से अदालत ने दिल्ली को नसीहत दी कि वह अपने प्रदूषण की जिम्मेदारी स्वीकार करे। दिल्ली सरकार भी साल भर चलने वाले संकट के लिये मौसमी प्रदूषण, पराली व पटाखों को वजह बताकर जिम्मेदारी से नहीं बच सकती। आखिर दिल्ली में आपातकाल जैसी स्थिति क्यों पैदा हुई? खुले में काम करने वालों और संवेदनशील बच्चों को सुरक्षा कौन देगा?

# दीपावली के अवसर पर इस बार एक दीप नशा–विरोधी जंग के नाम

केवल सिंह ढिल्लों

दीपावली केवल दीपों की औपचारिक सजावट या एक दिन के उत्सव का नाम नहीं, बल्कि यह मानवीय चेतना में अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और निराशा पर आशा की शाश्वत विजय का आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक प्रतीक है। सदियों से भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में जहां भगवान श्रीराम के 14 वर्षों के वनवास के पश्चात अयोध्या लौटने की खुशी में घी के दीप जलाकर नगरवासियों ने अपनी प्रसन्नता व्यक्त की थी, वहीं सिख इतिहास में यह पर्व 'बंदी छोड़ दिवस' के रूप में मानव स्वतंत्रता और अधिकारों की रक्षा का एक अनुपम उदाहरण प्रस्तुत करता है। इस दिन लोग एक–दूसरे को उपहार देते हैं, शुभकामनाएं सांझी करते हैं और आपसी भाईचारे को मजबूत बनाते हैं। समय के साथ दीपावली मनाने के तरीकों और साधनों में बड़े सामाजिक एवं तकनीकी बदलाव आए हैं। एक समय था जब ग्रामीण कुम्हारों द्वारा बनाए गए मिट्टी के छोटे–छोटे दीए हर घर की दहलीज पर सरसों या तिल के तेल से रोशन होते थे। धीरे–धीरे मोमबत्तियों का दौर आया, फिर बिजली के रंग–बिरंगे छोटे बल्बों वाली लडियों ने उनकी जगह ली और आज के तकनीकी युग में एल.ई.डी. लाइटों, लेजर शो तथा आधुनिक प्रोजैक्शन के माध्यम से घरों और विशाल इमारतों को रोशनी से जगमगाया जाता है। उल्लेखनीय है कि दीपावली कार्तिक मास की अमावस्या की घोर अंधेरी रात को मनाई जाती है। हमारे पूर्वजों ने इसी अंधेरी रात को चुनकर हमें यह शाश्वत संदेश दिया कि अंधकार से डरकर बैठने की बजाय उसके सामने मिट्टी का एक छोटा–सा दीपक जलाकर खड़े होना ही वास्तविक मानवीय साहस है। दीपक की छोटी लेकिन अडिग लौ यह साबित करती है कि अंधकार चाहे कितना भी गहरा और व्यापक क्यों न हो, वह प्रकाश की एक छोटी–सी किरण का सामना नहीं कर सकता। लेकिन पंजाब की वर्तमान वास्तविकता हमारी आत्मा को झकझोर देती है। इस पवित्र धारती को आज नशों के काले अंधकार ने चारों ओर से घेर लिया है। सिंथैटिक ड्रग्स, कैमिकल नशों और दवाइयों के दुरुपयोग के जहरीले प्रभाव से पंजाब के हजारों घरों के चिराग दिन–दिहाड़े बुझ रहे हैं। गांवों की सड़कों और गलियों से जवान बेटों की अर्थियां उठ रही हैं और माताओं की गोद सूनी हो रही है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो और पंज फाऊंडेशन के अध्ययन के अनुसार, एक दशक में 1,100 से अधिक दर्ज ओवरडोज से मौतें सामने आई हैं, जबकि जमीनी वास्तविकता में असमय मौत का शिकार हुए युवाओं की संख्या इससे कहीं अधिक होने की आशंका है। स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि नशों का दानव स्कूल जाने वाले बच्चों तक को अपनी चपेट में ले रहा है। इस त्रासदी का सबसे दर्दनाक और भयावह पहलू यह है कि इस अंधकार का शिकार केवल वे युवा नहीं बन रहे, जो भटकाव या मजबूरी में नशे की दलदल में फंस गए हैं, बल्कि यह काला माफिया उन निडर लोगों के जीवन के दीप भी रक्तपात के जरिए बुझा रहा है, जो इस अंधकार को चुनौती देने के लिए अपनी जान की परवाह किए बिना मैदान में उतरते हैं। इस संदर्भ में हाल ही में मानसा में हुई हिंसक घटना पूरे पंजाब की अंतरात्मा पर एक गहरा घाव है। 13 अक्तूबर, 2026 को मानसा में 'नशा रोको, रोजगार दो' अभियान के प्रमुख कार्यकर्त्ता परविंदर सिंह झोटा की मैडीकल स्टोरों पर अवैध रूप से बेचे जा रहे नशीले कैप्सूलों और गोलियों का फेसबुक लाइव के माध्यम से पर्दाफाश करते समय दिन–दिहाड़े गोली मारकर हत्या कर दी गई। परविंदर झोटा कोई निजी लड़ाई नहीं लड़ रहे थे, वह तो पंजाब के बुझते हुए चिरागों को बचाने के लिए नशा तस्करों और कालाबाजारियों के गठजोड़ के सामने एक प्रकाश स्तंभ बनकर खड़े थे। इसी प्रकार पंजाब के विभिन्न गांवों में जब भी गांव स्तर पर नशा विरोधी समितियों या जागरूक पंचायतों ने नशा तस्करों पर अंकुश लगाने का प्रयास किया, तो उन पर भी मुक्तसर और पटियाला जिलों की तरह जानलेवा हमले हुए और समाजसेवियों को अपनी जान तक गंवानी पड़ी। ऐसे गंभीर माहौल में क्या हमारी दीपावली केवल मिठाइयां खाने और पटाखे चलाने तक सीमित रह सकती है? जिन घरों के आंगन में चिताएं जल रही हों, वहां रंग–बिरंगी लाइटों का दिखावा हमें शोभा नहीं देता। इसलिए आइए, इस बार दीपावली मनाते हुए जहां हम आपसी खुशियां और प्रेम–प्यार की शुभकामनाएं सांझी करें, वहीं अपने घर की दहलीज पर एक विशेष दीप उन परिवारों के लिए भी जलाएं, जो नशों के काले अंधकार में अपने प्रियजनों को खो चुके हैं और उन युवाओं की आत्मिक शांति के लिए भी, जो असमय मृत्यु का शिकार हुए हैं। एक दीप परमिंदर सिंह झोटा जैसे उन सभी संघर्षशील योद्धाओं की पवित्र स्मृति में जलाएं, जिन्होंने पंजाब के भविष्य को बचाने के लिए अपना खून बहाया। यह दीप केवल मिट्टी और तेल से जुड़ी एक रस्म नहीं होगा, बल्कि नशों के अंधकार के विरुद्ध पंजाबियों की अटूट एकजुटता, सामाजिक संघर्ष में डटे रहने के संकल्प और हर बुझते हुए चिराग को फिर से रोशन करने का दृढ़ प्रण होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह ने पहले ही 31 दिसम्बर, 2029 तक भारत को नशा मुक्त बनाने के साथ–साथ पंजाब को भी नशा मुक्त करने का संकल्प लिया है। यह दीप उस राष्ट्रीय मिशन और संकल्प का भी प्रतीक बनेगा।आइए, अंधकार को कोसने की बजाय नशा–मुक्त पंजाब का दीप जलाकर अमावस्या की काली रात को चुनौती दें। इस दीपावली संकल्प लें कि हम अपने पंजाब को नशा–मुक्त, अपराध–मुक्त और सुरक्षित बनाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे, क्योंकि पंजाब को केवल रोशनी से सजे घर नहीं, बल्कि खुशहाल परिवार, सुरक्षित युवा और नशे से मुक्त भविष्य चाहिए।

# रैली से बदलाव की उम्मीद

जगदीश रत्तनानी

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के आंदोलन के सिलसिले में 1 नवंबर को हुई विपक्ष की संयुक्त रैली अहम मोड़ है जो उन्हें बचाने और बढ़ावा देने वाले राजनीतिक आका के खिलाफ भी है। इस स्थिति में, विपक्ष अब मौजूदा चुनाव आयोग के ढांचे के भीतर रहकर काम नहीं कर सकता क्योंकि ऐसा करने पर मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ उनके आंदोलन की विश्वसनीयता पूरी तरह खत्म हो जाएगी। 2027 की शुरुआत में उत्तर प्रदेश और चार अन्य राज्यों में चुनाव होने हैं तो ऐसे में स्थिति बिल्कुल साफ है– या तो सरकार मुख्य चुनाव आयुक्त को बदलने का कोई रास्ता निकाले (हालांकि ऐसा करने पर उसे भारी शर्मिंदगी झेलनी पड़ेगी क्योंकि सरकार ने खुद ज्ञानेश कुमार का बचाव उनसे कहीं ज्यादा किया है) या फिर विपक्ष उनके नेतृत्व में होने वाले चुनावों से दूर रहे। कई लोगों ने पहले ही मांग की है कि अगर ज्ञानेश कुमार अपने पद पर बने रहते हैं तो चुनावों का बहिष्कार किया जाए। अगर विपक्ष चुनावों का बहिष्कार करता है तो चुनाव एक तमाशा बनकर रह जाएंगे जिसका सीधा फायदा भाजपा को मिलेगा। यहां ऐसा कोई भी बीच का रास्ता नहीं है जिससे सरकार अपनी साख बचा सके और काम–काज पहले की तरह चलता रहे। राजनीतिक टकराव के लिहाज से यह एक खतरनाक मोड़ है, और राष्ट्रीय राजनीति में यह एक तरह से करो या मरो की स्थिति है। दोनों ही स्थितियों में सरकार अपने ही बुने जाल में फंस गई है जबकि विपक्ष एक ऐसी लड़ाई में उलझ गया है जिससे पीछे हटना उसके लिए मुमकिन नहीं है। सरकार के लिए आसान रास्ता यह था कि वह मुख्य चुनाव आयुक्त से कुछ दूरी बनाए रखती या कम से कम दूरी बनाए रखने का दिखावा ही कर लेती। खासकर जब मुख्य चुनाव आयुक्त के कार्यकाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए, जिसका बचाव करना लगभग असंभव है। मतदाता सूची से जुड़ी ये समस्याएं ज्ञानेश कुमार के आने से पहले ही शुरू हो गई थीं– विपक्ष के आरोप 2024 के लोकसभा और महाराष्ट्र चुनावों के समय से ही चले आ रहे हैं। बड़े पैमाने पर किए बदलावों ने सबूत पीछे छोड़ दिए हैं जिससे यह चोरी साफ तौर पर नजर आ रही है। जैसे–जैसे विरोध प्रदर्शन तेज हो रहे हैं भाजपा की प्रतिक्रिया खुद को सही साबित करने की कोशिश और विपक्ष की आवाज को दबाने वाली रही है। जैसे–जैसे यह धारणा मजबूत होती है कि भाजपा और चुनाव आयोग एक साथ हैं, राज्यों में उसकी चुनावी जीत और 2024 के लोकसभा चुनावों को लेकर भी सवाल उठने लगते हैं। इसी वजह से विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने एक रैली में पिछले चुनावों को अवैध करार देते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त पर देशद्रोह का आरोप लगाया। मुख्य सवालों पर कहने के लिए कुछ खास न होने के कारण भाजपा नेताओं ने रैली में जुटी भीड़ पर सवाल उठाए और शिकायत की कि इसके कारण लोगों की दिवाली की खरीदारी में खलल पड़ा। यह एक बेकार बचाव था जिसका उद्देश्य लोगों का ध्यान मुख्य चुनाव आयुक्त के मुद्दे से हटाना था। हकीकत यह है कि 1 नवंबर की वोट बचाओ, देश बचाओ के नारे वाली रैली ने लोगों में एक नई ऊर्जा भर दी है। ज्यादातर लोगों के अनुसार हाल के वर्षों में राजधानी में हुई सबसे बड़ी रैलियों में से यह एक थी। इसमें देश भर से लोग शामिल हुए। यहां तक कि साधुओं का एक समूह भी इसमें मार्च करता दिखा। सोशल मीडिया पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का बड़े पैमाने पर अलग–अलग तरीकों से मजाक उड़ाया जा रहा है। बहुत ही सोच–समझकर और बेहिसाब संसाधन खर्च कर दस साल में बनायी गयी छवि अब वोट चोरी के मुद्दे पर बहुत तेजी से ढह रही है। मोदी और उनकी पीआर टीम जरूर सोच रही होगी कि ऐसा कैसे हो गया। इसका एक जवाब उनके अपने काम करने के तरीके में छिपा है। बिना सोचे–समझे चीजों को और अपना फायदा देखने वाले कुछ लोगों ने जोर–शोर से प्रचार करने वाले संचार मॉडल को हर स्थिति के लिए एक बेहतरीन तरीका मान लिया था। तब भी यह साफ थाय और अब तो यह बहुत अच्छी तरह से स्पष्ट हो जाना चाहिए कि जबरदस्ती थोपी गई बातें कभी अच्छा संचार नहीं बन सकतीं। हर जगह छा जाना, बातचीत पर अपना एकाधिकार जमा लेना और बहुत ज्यादा बयानबाजी करना– ये सब कुछ समय के लिए तो शायद सुर्खियां दिला सकते हैं लेकिन इनसे कोई ऐसी चीज नहीं बनती जो लंबे समय तक टिक सके। वैसे इससे मिलने वाला बड़ा सबक खुद भारत के बारे में है और यह वह नहीं है जिसकी लोगों को उम्मीद थी। 2024 की शुरुआत में प्यू रिसर्च सेंटर के एक सर्वे में पाया गया कि सर्वे में शामिल 85 प्रतिशत भारतीय एक मजबूत नेता या सेना के शासन को पसंद करते हैं। अध्ययन किए गए 24 देशों में यह आंकड़ा सबसे ज्यादा था। हर तीन में से दो लोग एक ऐसे मजबूत नेता का समर्थन करते हैं जो संसद या अदालतों के दखल के बिना फैसले ले सके। इस हिसाब से देखा जाए तो एक श्मजबूत नेताश की छवि को कोई चुनौती नहीं दी जा सकनी चाहिए थी। मोदी को तो इस समय सबसे ऊंचे मुकाम पर होना चाहिए था लेकिन इसके बजाय उनकी स्थिति कमजोर हो रही है। आखिर ऐसा क्यों हुआ?

## आया दीपों का त्योहार

दीपोत्सव की बेला आई, चमक उठे सबके
घर–द्वार।
आलोकित हो गई धरा फिर, आया दीपों का
त्योहार।।

रात घनेरी घोर अमावस, नहीं दिखाई पड़ती राह।
एक दीप के जल जाने की, मन में बस रहती है चाह।।
सजी दीपमालाएँ घर–घर, ज्योतित आज हुआ संसार।

मेला लगा हुआ सड़कों पर, और पटाखों का है शोर।
बच्चों का उत्साह देखकर, मन हो जाता भाव–विभोर।
रंग–रँगीली सजी रंगोली, आम्रपत्र के वंदनवार।

विघ्नहरण गणपति की पूजा, सभी दुखों का करती नाश।
धूप–गंध नैवेद्य चढ़ाकर, दीप जलाकर करें प्रकाश।
वैभव देतीं महालक्ष्मी, धन–कुबेर भरते भंडार।

सत्य–सनातन धर्म हमारा, सबसे प्यारा अपना देश।
रीति–रिवाज विविध हैं अपने, कितना सुंदर है परिवेश।।
दीपक जलकर यही सिखाता, करो सदा सबपर उपकार।

दीपोत्सव की बेला आई, चमक उठे सबके
घर–द्वार।
आलोकित हो गई धरा फिर, आया दीपों का
त्योहार।।



डॉ. नीलिमा मिश्रा

# भाजपा के आक्रामक जवाब से विपक्ष की एकता को लेकर उसकी चिंता सामने आई

के रवींद्रन

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर हो रहे विरोध प्रदर्शनों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का बढ़ता आक्रामक जवाब बताता है कि सत्ताधारी पार्टी को अपनी राजनीतिक अजेयता पर उतना भरोसा नहीं है जितना उसके सार्वजनिक बयानों से लगता है। विपक्ष की लामबंदी को खारिज करने में खर्च की गई बहुत ज्यादा ऊर्जा, साथ ही राजनीतिक गठबंधनों को फिर से बनाने की नई कोशिशें, राष्ट्रीय राजनीतिक बहस की बदलती दिशा को लेकर अंदरूनी चिंता की ओर इशारा करती हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का यह कहना कि कांग्रेस 2029 के संसदीय चुनाव नहीं जीत सकती, खास तौर पर चौंकाने वाला है। मौजूदा विवाद चुनाव आयोग की विश्वसनीयता, वोटर लिस्ट की ईमानदारी और वोटरों को वोट देने से वंचित करने के आरोपों से जुड़ा है। फिर भी भाजपा का जवाब बार–बार सरकार बदलने की उम्मीदों, नरेंद्र मोदी के चुनावी भविष्य और सरकार को हटाने में विपक्ष की कथित नाकामी की तरफ मुड़ गया है। यह एक बड़ा राजनीतिक बदलाव है। एक सरकार जो अपनी स्थिति से पूरी तरह खुश है, वह शायद चुनावी प्रक्रिया का बचाव करने और प्रदर्शनकारियों द्वारा उठाए गए खास सवालों के जवाब देने पर ध्यान देगी। इसके बजाय, सत्ताधारी पार्टी ने संस्थागत जिम्मेदारी पर विवाद को अपने चुनावी दबदबे पर एक और जनादेश में बदलने की कोशिश की है। ऐसा जवाब निश्चित रूप से भाजपा नेतृत्व द्वारा दिखाए गए भरोसे पर सवाल उठाने का आधार देता है। जंतर–मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में किया गया आंदोलन शुरू में ज्ञानेश कुमार और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ था। इसका महत्व चुनावी प्रशासन पर एक तकनीकी विवाद को लोकतांत्रिक संस्थान की निष्पक्षता पर सवाल उठाने वाले एक बड़े जन आंदोलन में बदलने की संभावना में था। भाजपा इस आंदोलन को सीमित राजनीतिक नतीजों के साथ एक अलग विरोध के रूप में देख सकती थी। हालांकि, अभियान का राजनीतिक रूप से सामना करने के उसके फैसले ने विवाद को चुनाव आयोग से आगे बढ़ाने में मदद की है। इसलिए सरकार की आलोचना करने वालों को चुनावी शिकायतों को संवैधानिक संस्थाओं और सत्ता की शक्ति के बीच संबंधों के बारे में बड़े सवालों से जोड़ने का मौका मिल गया है।दिल्ली के रामलीला मैदान में 1 नवंबर की रैली ने इस टकराव को और ज्यादा सामने ला दिया। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, ममता बनर्जी, अखिलेश यादव और दूसरे विपक्षी नेताओं की मौजूदगी ने दिखाया कि इस विवाद ने उन पार्टियों को एक साथ लाने के लिए काफी राजनीतिक तूल पकड़ लिया था जिनके क्षेत्रीय हितों ने अक्सर मिलकर काम करने में रुकावट डाली है। भाजपा की प्रतिक्रिया, भीड़ के अपने अंदाजे से बिल्कुल अलग था। पार्टी के प्रवक्ता संबित पात्रा ने रैली को विफल बताया और कहा कि लगभग 40 प्रतिशत मैदान खाली रहा। दूसरे भाजपा नेताओं ने विपक्ष के भीड़ के अंदाजे पर सवाल उठाए और ऑर्गनाइजर पर गुमराह करने वाली इमेज के जरिए उपस्थिति को बढ़ा–चढ़ाकर बताने का आरोप लगाया। असल में भीड़ कितनी थी, इस पर अभी भी बहस चल रही है, और इस बहस को पक्के तौर पर साबित करने के लिए कोई अलग से तय आंकड़ा नहीं है। फिर भी, रैली को बदनाम करने का भाजपा का पक्का इरादा एक साफ राजनीतिक सवाल खड़ा करता है। अगर यह जमावड़ा सच में कोई खास नहीं था, तो इसकी कोई अहमियत न दिखाने पर इतना ध्यान क्यों दिया गया? इसका जवाब शायद तुरंत भीड़ की ताकत और लंबे समय के राजनीतिक जोश के बीच के फर्क में छिपा हो। एक रैली से चुनाव के नतीजे तय नहीं होते, लेकिन वोटरों से जुड़ी किसी शिकायत के इर्द–गिर्द लगातार अभियान चलाने से एक ऐसा सांगठनिक मंच बन सकता है जो असली झगड़े से कहीं आगे तक जाता है। भाजपा इस फर्क को ज्यादातर राजनीतिक संगठनों से बेहतर समझती है। इसकी अपनी बढ़त में ऐसे आंदोलनों ने मदद की जिन्होंने लोगों की नाराजगी को लगातार राजनीतिक लामबंदी में बदल दिया। इसलिए यह मानना गलत होगा कि इसका नेतृत्व कई बड़ी विपक्षी पार्टियों के प्रदर्शनों को बिना चुनावी असर के सिर्फ तमाशा मानती है। रामलीला मैदान में लामबंदी के मायने रखने का एक और कारण है। ऐतिहासिक रूप से विपक्षी एकता तब सबसे असरदार रही है जब पार्टियों को कोई ऐसा साझा मुद्दा मिल जाता है जो उनके मतभेदों को दूर कर सके। चुनावी ईमानदारी ठीक ऐसा ही मंच देती है क्योंकि हर विपक्षी पार्टी की दिलचस्पी यह पक्का करने में होती है कि मतदाता का नाम दर्ज होना, चुनावी प्रशासन और मतदान गिनती की प्रक्रिया पर जनता का भरोसा बना रहे। महाराष्ट्र के घटनाक्रम भाजपा के रणनीतिगत गणना का ज्यादा ठोस इशारा देते हैं। विपक्ष की रैली के ठीक एक दिन बाद, नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी के अजित पवार गुट के वरीय नेताओं ने अमित शाह से मुलाकात की। इस दौरान विरोधी एनसीपी गुटों को एक साथ एनडीए में लाने की संभावना पर चर्चा हुई। इस पहल का राजनीतिक महत्व स्पष्ट है। विपक्ष को एकजुट करने के प्रयासों में शरद पवार की भागीदारी ने श्इंडियाश गठबंधन की विश्वसनीयता बढ़ाई है। अगर एनडीए के दायरे में एनसीपी फिर से एक हो जाती है, तो इससे विपक्षी गठबंधन कमजोर होगा, जबकि महाराष्ट्र में सत्ताधारी गठबंधन की स्थिति मजबूत हो जाएगी। हालांकि, इस प्रस्तावित व्यवस्था के सामने कई बड़ी रुकावटें हैं। अजित पवार गुट के भीतर, खासकर सुनेत्र पवार और पार्थ पवार की भूमिकाओं को लेकर मतभेद हैं, जिससे बातचीत जटिल हो गई है। एनसीपी नेताओं ने भी उन खबरों का खंडन किया है जिनमें कहा जा रहा था कि पार्टी का फिर से एक होना तय है। इसलिए, भाजपा की ओर से गुटों को एक साथ लाने की कोशिश अभी भी एक लक्ष्य ही है, न कि कोई पूरी हो चुकी राजनीतिक पुनर्व्यवस्था। फिर भी, इस समय पर ध्यान देना जरूरी है। गठबंधन बनाना लंबे समय से भाजपा की राजनीतिक रणनीति का अहम हिस्सा रहा है, लेकिन विपक्षी ताकतों को अपनी ओर खींचने पर दिया जा रहा नया जोर यह दिखाता है कि पार्टी को एहसास है कि सिर्फ विचारधारा के आधार पर लोगों को एकजुट करके लंबे समय तक चुनावी दबदबा बनाए नहीं रखा जा सकता। तमिलनाडु के मामले में यह समीकरण एक अलग ही पहलू दिखाता है। कांग्रेस से अलग होने के बाद, भाजपा और डीएमके के बीच किसी मुद्दे पर सहयोग की खबरें बताती हैं कि राजनीतिक सीमाएं अब पहले से कहीं ज्यादा लचीली हो गई हैं। इस तरह के सहयोग को पूरी तरह से गठबंधन तो नहीं कहा जा सकता, लेकिन संसद के स्तर पर सीमित तालमेल भी विपक्ष की सामूहिक मोलभाव करने की ताकत को कमजोर कर सकता है। अब भाजपा के पास लोकसभा में अपने दम पर बहुमत नहीं है और अपनी सरकार चलाने के लिए उसे गठबंधन सहयोगियों पर निर्भर रहना पड़ता है।

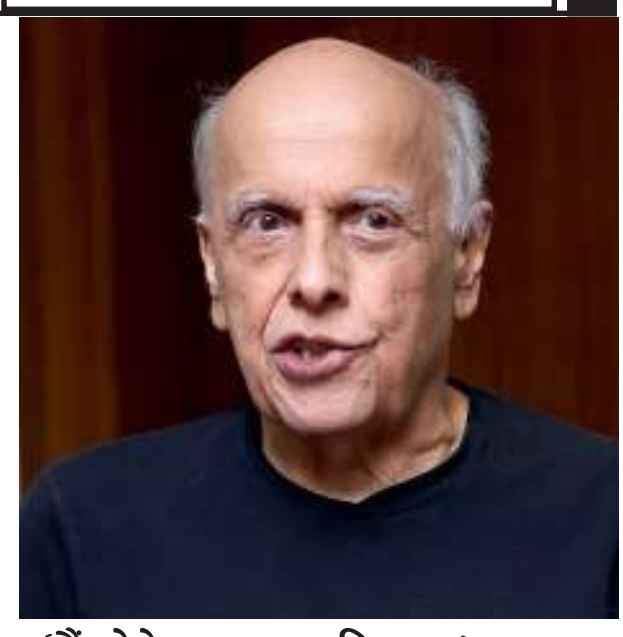
# सोनी सब के सितारों ने साझा कीं बचपन की दिवाली से जुड़ी खास यादें



दिवाली का त्योहार सिर्फ घरों को रोशन करने और मिठाइयों का स्वाद लेने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे जुड़ी कई ऐसी यादें भी होती हैं, जो सालों बाद भी चेहरे पर मुस्कान ले आती हैं। बचपन में नए कपड़े पहनने से लेकर परिवार के साथ पूजा करने, पटाखे जलाने और घर को सजाने तक, हर किसी के लिए इस त्योहार की अपनी अलग कहानी होती है। इस बार सोनी सब के कलाकार करुणा पांडे, मुकुल हरीश, विवाना सिंह और जितेन लालवानी ने भी अपने बचपन की दिवाली से जुड़े कुछ खास अनुभव साझा किए हैं। इन कलाकारों ने बताया कि उनके लिए त्योहार का कौन–सा पल सबसे ज्यादा यादगार रहा है। पुष्पा इम्पॉसिबल में पुष्पा का किरदार निभाने वाली करुणा पांडे ने बताया कि उनके बचपन की दिवाली हर बार कुछ अलग होती थी। उनके पिता रक्षा बलों में कार्यरत थे, इसलिए परिवार को हर कुछ साल में दूसरे शहर में जाना पड़ता था और वहीं त्योहार मनाना होता था। घर को दीयों और रोशनी से सजाना, रिश्तेदारों और मेहमानों का आना और मां के हाथों से बने पकवानों का आनंद लेना उनकी यादों का खास हिस्सा है। करुणा के मुताबिक, बचपन में उन्हें सबसे ज्यादा इंतजार पूजा खत्म होने का रहता था, क्योंकि इसके बाद मिठाइयां खाने और पटाखे जलाने का मौका मिलता था। माता–पिता और बहन के साथ मनाई गई वे दिवालियां आज भी उनके दिल के बेहद करीब हैं। पुष्पा इम्पॉसिबल में टाइगर की भूमिका निभाने वाले मुकुल हरीश ने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए बताया कि दिवाली का उत्साह उनके लिए हमेशा खास रहा है। सुबह जल्दी उठकर नए कपड़े पहनना और शाम को परिवार के साथ पूजा में शामिल होना उनकी त्योहार की दिनचर्या का हिस्सा हुआ करता था। उन्होंने अपने पिता की फैक्ट्री में होने वाली दिवाली पूजा का भी जिक्र किया। वहां की सजावट और उत्सव का माहौल उन्हें आज भी याद है। मुकुल के लिए मिठाइयां खाना और पटाखे जलाना त्योहार के सबसे मजेदार हिस्से हुआ करते थे। हालांकि, अब वह दिवाली मनाते समय रोशनी और स्वादिष्ट पकवानों के साथ पर्यावरण का ध्यान रखने को भी प्राथमिकता देते हैं। हस्तिनापुर के वीर में गांधारी का किरदार निभाने वाली विवाना सिंह ने बताया कि बचपन में दिवाली की तैयारियां उनके लिए किसी उत्सव से कम नहीं होती थीं। उन्हें अपनी बहनों के साथ त्योहार के लिए तैयार होने का बेसब्री से इंतजार रहता था। तीनों बहनें एक–दूसरे के कपड़े चुनने में मदद करती थीं और अपने लुक को खास बनाने के लिए एक–दूसरे की ज्वेलरी भी इस्तेमाल करती थीं। विवाना के अनुसार, तैयार होने के दौरान खूब हंसी–मजाक और मस्ती होती थी। उनके लिए दिवाली की असली खुशी

> “
> एक दिन जब हम ऑस्ट्रेलिया में छुट्टियां मना रहे थे, तो सुभिका शर्मा का अचानक फोन आया। उन्होंने कहा कि वह हमें हमारी शादी के लिए एक पेंटिंग गिफ्ट करना चाहती हैं... लेकिन जब उन्होंने बताया कि वह क्या देना चाहती हैं,

परिवार के साथ बिताए गए इन्हीं छोटे–छोटे पलों में छिपी है। हस्तिनापुर के वीर में द्रोणाचार्य की भूमिका निभाने वाले जितेन लालवानी ने दिवाली से जुड़ी अपनी एक अलग याद साझा की। उन्होंने बताया कि त्योहार से पहले घर की सफाई करना उनकी मां की तैयारियों का अहम हिस्सा हुआ करता था। मां हमेशा उन्हें भी इस काम में मदद करने के लिए कहती थीं। बचपन में उन्हें यह काम थोड़ा मुश्किल लगता था, लेकिन मां के साथ मिलकर सफाई और घर को व्यवस्थित करने में अलग ही मजा आता था। आज उन्हें एहसास होता है कि मां के साथ बिताए गए वही साधारण पल उनके बचपन की सबसे अनमोल यादों में शामिल हो गए हैं। इन कलाकारों की बातें बताती हैं कि दिवाली की खूबसूरती सिर्फ रोशनी, सजावट और पकवानों में नहीं, बल्कि परिवार के साथ बिताए गए उन पलों में भी है, जिन्हें हम जिंदगीभर याद रखते हैं। पुष्पा इम्पॉसिबल और हस्तिनापुर के वीर देखना न भूलें, सिर्फ सोनी सब पर।



## ‘मैं रोते हुए बाहर निकला’: दामाद रणबीर कपूर की ‘रामायण’ देखकर बुरी तरह भावुक हुए महेश भट्ट

बॉलीवुड के जाने–माने और बेबाक फिल्म निर्माता महेश भट्ट ने अपने दामाद और सुपरस्टार रणबीर कपूर की बहुचर्चित फिल्म श्रामायणश को लेकर अपने अनुभव और गहरी भावनाओं को साझा किया है। सितारों से सजे भव्य प्रीमियर में शामिल होने के बजाय महेश भट्ट ने एक आम सिनेमा हॉल में जाकर आम दर्शकों के बीच इस फिल्म को देखने का फैसला किया। फिल्म देखने के बाद उनका अनुभव बेहद भावुक और यादगार रहा। उन्होंने श्वैरायटी इंडियाश के साथ एक खास बातचीत में फिल्म से जुड़ी अपनी यादों, रणबीर कपूर के अभिनय और निर्देशन की खुलकर तारीफ की है। भट्ट ने कहा कि वह फिल्म को प्रीमियर के बजाय एक आम सिनेमा हॉल के माहौल में देखना चाहते थे। उन्हें लगा कि अनजान लोगों के साथ इस अनुभव को साझा करने से, फिल्म देखने का उनका अनुभव और अधिक व्यक्तिगत और वास्तविक हो जाएगा। उन्होंने श्वैरायटी इंडियाश से कहा, मैं सिनेमा हॉल में अनजान लोगों के बीच बैठकर, फिल्म देखने के उस निजी और साझा अनुभव को महसूस करना चाहता था। फिल्म निर्माता ने रामायण से जुड़ी अपने बचपन की यादों को भी साझा किया। उन्होंने बताया कि इस महाकाव्य से उनका पहला परिचय अपनी माँ के जरिए हुआ था, जो उन्हें और उनके भाई–बहनों को इसकी कहानी सुनाया करती थीं। उन्होंने याद करते हुए कहा, ष्स्क्रीन पर राम को देखने से पहले, मैं उन्हें अपनी माँ की आवाज़ के जरिए जानता था।ष उन्होंने आगे बताया कि उस समय वह इतने छोटे थे कि कहानी के हर पहलू को पूरी तरह नहीं समझ सकते थे, लेकिन इसके पात्र और भावनाएं उनके मन में बस गईं। भट्ट को यह भी याद है कि जब वह 12 साल के थे, तब उन्होंने बाबूभाई मिस्त्री द्वारा निर्देशित श्सम्पूर्ण रामायणश देखी थी। इसमें एक पल ऐसा था जिसने उन पर गहरा प्रभाव छोड़ा दृ जब अयोध्या से निकाले जाने के बाद, सीता माता धरती से उन्हें वापस अपनी गोद में ले लेने की प्रार्थना करती हैं। उन्होंने बताया कि उस दृश्य को देखकर वह रो पड़े थे और सीता के साथ हुए उस अन्याय को आज भी महसूस कर सकते हैं।

रणबीर कपूर, यश और साई पल्लवी के अभिनय पर महेश भट्ट की राय

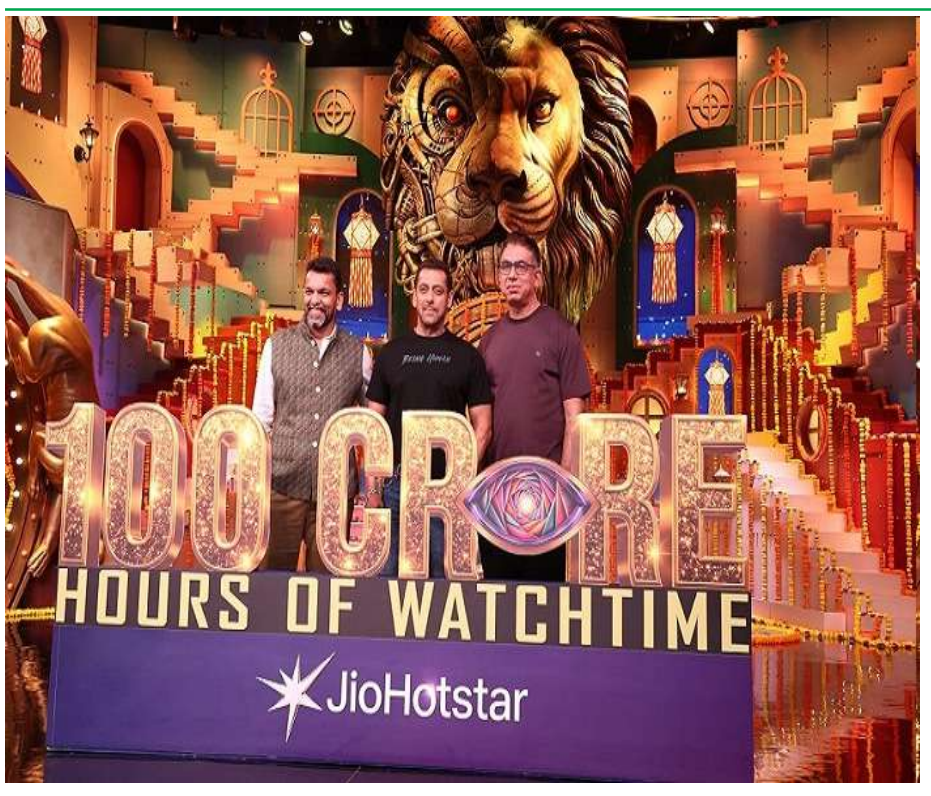
फिल्म के इस नए रूपांतरण पर अपने विचार साझा करते हुए, भट्ट ने रावण के रूप में यश के अभिनय की तारीफ की और कहा कि अभिनेता ने उन्हें मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने इस बात का श्रेय निर्देशक नितेश तिवारी को भी दिया कि उन्होंने इस शक्तिशाली किरदार को बहुत ही संतुलित ढंग से पेश किया। भगवान राम के रूप में रणबीर के अभिनय पर बात करते हुए, भट्ट ने कहा कि फिल्म में एक ऐसा मोड़ आया जब रणबीर कैमरे की ओर बढ़े और हाथ जोड़े। उन्हें लगा कि रणबीर ने अपने भीतर के एक ऐसे पहलू को उजागर किया है, जिसकी उनके पिछले किरदारों में कभी जरूरत नहीं पड़ी थी। उन्होंने कहा, मैंने देखा कि उन्होंने अपने भीतर कुछ ऐसा छुआ, जो उनकी किसी और फिल्म में कभी नहीं मांगा गया था। मुझे लगा कि उन्होंने अपने अंदर के ईश्वर को छू लिया है। भट्ट ने सीता के रूप में साई पल्लवी के अभिनय की भी तारीफ की। उन्हें लगा कि अभिनेत्री ने इस किरदार को बहुत ही सादगी से निभाया है, न कि किसी दिखावटी या ग्लैमरस तरीके से।उन्होंने कहा, ष्साई पल्लवी की सीता को देखकर मुझे बहुत सुकून मिला।ष उन्होंने आगे कहा कि उन्हें फिल्म में राम और सीता के बीच का प्रेम और समर्पण बिल्कुल सच्चा लगा। उन्होंने अरुण गोविल के अभिनय और जटायु के रूप में अनुपम खेर के काम की भी सराहना की। फिल्म निर्माता ने बताया कि फिल्म में राम के 14 साल के वनवास को जिस तरह दिखाया गया है, उसने उन्हें गहराई से छू लिया। उन्होंने बताया कि उस दृश्य के दौरान उन्हें अपने आंसू रोकने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। ऐसा इसलिए भी था क्योंकि वह यह फिल्म युवा फिल्म निर्माताओं और लेखकों के एक समूह के साथ देख रहे थे, जो उन्हें रणबीर कपूर के ससुर के रूप में जानते हैं। उन्होंने बताया कि जब फिल्म खत्म हुई और सिनेमाघर की लाइटें जलीं, तो वह अपनी भावनाओं को छिपा नहीं पाए। भट्ट उस दृश्य को देखकर भी बहुत भावुक हो गए, जिसमें भरत राम से मिलने आते हैं और उनसे अयोध्या वापस लौटने का आग्रह करते हैं। उन्होंने बताया कि जब भरत, राम की खड़ाऊँ (लकड़ी की चप्पलें) लेकर वहां से जाते हैं और अपने भाई के नाम पर राज्य चलाने का वादा करते हैं, तो उनका दिल टूट सा गया। फिल्म निर्माता ने कहा कि इस पल ने उन्हें उन मूल्यों की याद दिला दी, जिन्हें समाज कभी बहुत अहम मानता था, लेकिन आज लोग उन मूल्यों से कितने दूर हो गए हैं। उन्होंने फिल्म के क्लाइमेक्स के बारे में भी बात की, खासकर उस पल के बारे में जब हनुमान के आने का संकेत मिलता है। भट्ट ने बताया कि कैसे दर्शक तालियां बजाने लगे, और कहा कि वह सिनेमाघर से बहुत गहरे भावों के साथ बाहर निकले। इस प्रोजेक्ट से जुड़े सभी लोगों की तारीफ करते हुए, उन्होंने तिवारी, निर्माता नमित मल्होत्रा, लेखकों, संगीतकारों, कलाकारों और पूरी टीम को बधाई दी कि उन्होंने इस महाकाव्य को पर्दे पर उतारा। उन्होंने कहा कि इस फिल्म ने उन्हें भारतीय सिनेमा पर गर्व महसूस कराया। भट्ट ने निर्देशक के लिए एक निजी संदेश भी दिया। उन्होंने कहा कि वह चाहते हैं कि तिवारी को पता चले कि जिस कहानी को उन्होंने सबसे पहले अपनी माँ की आवाज़ में सुना था, वह अब इस फिल्म निर्माता के विज़न के ज़रिए उन तक पहुँची है। उन्होंने कहा, ष्मैं उस लड़के को साथ लेकर थिएटर में गया था जो कभी सीता के लिए रोया था। और जब मैं बाहर निकला, तो मेरी अपनी आँखों में भी आँसू थे। श्रामायणश प्राचीन भारतीय महाकाव्य पर आधारित दो भागों वाली एक फ़िल्म है, जिसका निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है और इसे नमित मल्होत्रा व यश ने प्रोड्यूस किया है। इसमें रणबीर कपूर भगवान राम की, साई पल्लवी सीता की और यश रावण की भूमिका निभा रहे हैं। रवि दुबे लक्ष्मण का किरदार निभा रहे हैं। इस प्रोजेक्ट में हंस ज़िमर और ए.आर. रहमान का संगीत है।

# 35 लाख रूपये जीतकर भी खुद पर खर्च नहीं करेंगे शहजाद पूनावाला, बाढ़ और सूखा पीड़ितों के लिए किया दान का ऐलान




राइज एंड फॉल सीजन 2 के विजेता शहजाद पूनावाला ने घोषणा की है कि वह अपनी 35 लाख रुपये की पूरी इनामी राशि बिहार और असम में बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के लिए और महाराष्ट्र में सूखे से प्रभावित इलाकों के लिए दान करेंगे। उन्होंने रियलिटी शो के दौरान मिले समर्थन के लिए दर्शकों का आभार जताया। शहजाद ने अपने समर्थकों को उनके प्यार और हौसला–अफजाई के लिए धन्यवाद दिया और शो में अपनी भागीदारी को एक नई यात्रा और अनुभव बताया। उन्होंने कहा कि एक बाहरी व्यक्ति (आउटसाइडर) होने के नाते, उनके समर्थकों के बिना उनकी जीत संभव नहीं थी। उन्होंने कहा, राइज एंड फॉल सीजन 2 में मेरी जीत के लिए समर्थन देने के लिए धन्यवाद। यह एक नई यात्रा और अनुभव रहा है, और मेरे जैसे बाहरी व्यक्ति के लिए यह केवल आपके समर्थन और प्यार की वजह से ही संभव हो पाया। इनामी राशि दान करने के फैसले की घोषणा करते हुए उन्होंने कहा, मैंने अपनी 35 लाख रुपये की इनामी राशि बिहार और असम की बाढ़ (वहां बहुत बड़ी त्रासदी आई थी) और महाराष्ट्र के सूखे से प्रभावित इलाकों के लिए दान करने का फैसला किया है। शो के ग्रैंड फिनाले में, विजेता घोषित किए जाने के बाद, शहजाद ने बिहार और असम में बाढ़ राहत के लिए इनामी राशि दान करने के अपने वादे को दोहराया। मैंने शो में आने से पहले कहा था कि जो भी राशि मुझे मिलेगी... क्योंकि मनीष भाई जानते हैं कि बिहार में बहुत बड़ी त्रासदी आई थी, असम में भी त्रासदी आई थी, तो मैं यह...मैं पूरी राशि बिहार और असम की त्रासदी के लिए उनके मुख्यमंत्री राहत कोष में दे दूंगा, उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा। शहजाद रियलिटी शो के दूसरे सीजन के विजेता बने। उन्होंने ट्रॉफी और 35 लाख रुपये का नकद इनाम जीता। प्रियंका चाहर चौधरी फर्स्ट रनर–अप रहीं, जबकि बिग बॉस 8 के विजेता गौतम गुलाटी तीसरे स्थान पर रहे। अपनी यात्रा के बारे में बात करते हुए, राजनीतिक नेता शहजाद ने कहा कि शो जीतने की खुशी को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। उन्होंने इस अनुभव को चुनौतीपूर्ण बताया। उन्होंने टावर के अच्छे पलों और बेसमेंट की अनिश्चितताओं को याद करते हुए कहा कि उन्हें लगातार खुद को ढालना पड़ा और मुश्किल परिस्थितियों का डटकर सामना करना पड़ा। खुशी जाहिर करते हुए शहजाद पूनावाला ने कहा, राइज एंड फॉल सीजन 2 जीतना एक ऐसा एहसास है जिसे मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकता। यह सफर आसान नहीं था। टावर की ऊंचाइयों से लेकर बेसमेंट की अनिश्चितताओं तक, मुझे लगातार खुद को ढालना पड़ा और आगे बढ़ना पड़ा, भले ही चीजें मेरे पक्ष में न हों। कई बार मन में संदेह भी आया, लेकिन अंदर से मुझे हमेशा विश्वास था कि मैं कर सकता हूं। आज ट्रॉफी के साथ यहां खड़ा होना, उसी विश्वास के सच होने जैसा है। यह जीत इस बात का सबूत है कि दृढ़ संकल्प और हौसला क्या कुछ कर सकते हैं। बनिजय एशिया द्वारा निर्मित, राइज एंड फॉल सीजन 2 को पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग होस्ट कर रहे हैं। यह शो प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होता है।

# `बिग बॉस 20' की लोकप्रियता ने पकड़ी रफ्तार, 60 दिनों से पहले 100 करोड़ घंटे देखा गया शो




रियलिटी शो 'बिग बॉस 20' दर्शकों के बीच अपनी मजबूत पकड़ बनाए हुए है। जियोहॉटस्टार पर शो को शुरू हुए अभी 60 दिन भी पूरे नहीं हुए हैं, लेकिन इसने 100 करोड़ घंटे के वॉच टाइम का आंकड़ा पार कर लिया है। प्लेटफॉर्म के मुताबिक, शो को मिल रहे दर्शकों के प्यार के साथ वोटिंग और सोशल मीडिया पर उसकी चर्चा में भी लगातार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। शो के इस सीजन में दर्शकों की भागीदारी कई स्तरों पर देखने को मिली है। अब तक प्रतियोगियों के लिए 350 करोड़ से ज्यादा वोट दर्ज किए गए हैं, जो पिछले सीजन के मुकाबले 71 प्रतिशत अधिक हैं। वहीं, वोट करने वाले दर्शकों की संख्या में भी 48 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। सोशल मीडिया पर शो से जुड़े मीम्स की संख्या तीन गुना हो गई है। इसके अलावा, 'जीतो' गेम में हिस्सा लेने वाले लोगों की संख्या भी दोगुनी हो चुकी है। 'बिग बॉस 20' को भारत के बाहर भी दर्शक मिल रहे हैं।

यह शो यूके, कनाडा और सिंगापुर में टॉप 5 में शामिल रहा है, जबकि यूएई में स्टारेज पार्टी पर नंबर वन स्थान हासिल किया है। शो के कुल वॉच टाइम में जेनरेशन ' की हिस्सेदारी 45 प्रतिशत बताई गई है। इस सीजन के साथ 24 ब्रांड पार्टनर भी जुड़े हैं, जो शो की पहुंच और व्यावसायिक लोकप्रियता को दर्शाते हैं। शो के होस्ट सलमान खान ने दर्शकों के इस प्यार और जुड़ाव को खास बताया। वहीं, जियोस्टार के आलोक जैन और बनिजय एशिया के दीपक धर ने भी शो की उपलब्धि पर अपनी प्रतिक्रिया दी। उनके मुताबिक, दर्शकों की सक्रिय भागीदारी और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बढ़ती पहुंच ने इस सीजन को खास बनाया है।



# दिवाली से पहले अपने चेहरे में निखार लाएं, अब फोटोज के लिए फिल्टर की जरुर नहीं होगी, नेचुरल ग्लो ही कर देगा कमाल

दिवाली का त्योहार के लिए अब ज्यादा दिन बचें नहीं है। ऐसे में अपनी त्वचा का ख्याल रखना भी बेहद जरुरी है। जब आप दिवाली पर तैयार होकर सेल्फी लेना चाहते है, तो इसके लिए चेहरे पर ताजदी और निखार होना भी काफी जरुरी है, जिससे फोटोज में चमक आए। इस दिवाली आप भी फोटो परफेक्ट दिखना चाहती हैं, तो अभी से अपनी त्वचा को रिपेयर करना शुरु कर दें। इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि स्किन केयर टिप्स, जिन्हें अपनाकर आप त्वचा दिखेंगी खिली–खिली।

जल्दी सोएं

यदि आप अपनी त्वचा को ग्लो बनाना चाहते हैं, तो इसके लिए जल्दी सोना भी जरुरी है। रात को 11 बजे तक सोना काफी जरुरी है। ऐसा करने से चेहरे की झुर्रियां और पिंपल्स दूर होते हैं। आपकी त्वचा की अंदर से रिपेयर तब शुरु होता है जब आप गहरी नींद में होते हैं। बता दें कि, रात के 11 बजे से सुबह 4 बजे के बीच शरीर श्मेलाटोनिनश हार्मोन रिलीज करता है और स्किन बैरियर को रिपेयर करता है। अगर आप देर रात तक जागते हैं तो स्ट्रेस हार्मोन कोर्टिसोल बढ़ता है, जिससे आपकी त्वचा डल और बेजान दिखने लगती है।

रोजना एक्सरसाइज करना जरुरी

नियमित रुप से रेगुलर एक्सरसाइज करना काफी जरुरी है। निखार को बढ़ाने के लिए एक्सरसाइज करना अच्छा होता है। आप रोजाना 20 से 30 मिनट तक तेज वॉक, हल्के योगासन या घर पर ही वर्कआउट करें। वर्कआउट करने ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है। जिससे आपके स्किन सेल में ऑक्सीजन और पोषक तत्व ज्यादा मात्रा में पहुंचते हैं, यह आपकी त्वचा को ग्लोइंग बनाता है। जब आपके पसीना निकालता है तो पोर्स भी साफ हो जाते है।

सोने से पहले डिजिटल डिटॉक्स करें

सोने से पहले आपकी त्वचा को भी शांति चाहिए। इसके लिए सबसे पहले आप स्क्रीन से दूरी बना सकते हैं। सोने से पहले कम से कम 30 मिनट पहले अपने फोन, टीवी, लैपटॉप जैसे सभी डिजिटल उपकरण को दूर कर सकते हैं। इन स्क्रीन्स से निकलने वाली नीली रोशनी श्मेलाटोनिनश को रोक देती है, जिससे आपकी नींद खराब हो जाती है। अच्छी नींद न आने पर आंखों के नीचे काले घेरे और तनाव दिखाई देने लगता है।

डीप ब्रीदिंग और मेडिटेशन को अपनाएं

स्ट्रेस के कारण आपकी सुंदरता भी गायब हो जाती है। यह पिंपल्स और डलनेस को बढ़ाता है। इससे बचने के लिए रोजाना कुछ मिनटों के लिए डीप ब्रीदिंग एक्सरसाइज और मेडिटेशन करना जरुरी है। ऐसा करने से आपका तनाव दूर होगा और मन शांत भी रहेगा। आपकी स्किन भी ग्लोइंग रहेगी।





# दीवाली पर इन चीजों का दिखना होता है शुभ, मिलते हैं धन वृद्धि के संकेत

दीपावली पर कुछ चीजों का घर आना एक शुभ संकेत (क्पूंसप 2025) के रूप में देखा जाता है। माना जाता है कि दीवाली के दिन अगर आपके घर में इन पशु–पक्षियों का आगमन होता है, तो यह मां लक्ष्मी की कृपा प्राप्ति का एक संकेत हो सकता है। ऐसे में इन्हें नजरअंदाज बिल्कुल भी नहीं करना चाहिए।

ऐसे में चलिए जानते हैं इसके बारे में। हर साल कार्तिक अमावस्या पर दीपावली का पर्व मनाया जाता है, जो इस बार 20 अक्टूबर को मनाई जा रही है। दीवाली पर शुभ मुहूर्त में खास तौर से लक्ष्मी–गणेश जी की पूजा–अर्चना भी की जाती है, माना जाता है कि इससे घर में सुख–समृद्धि बनी रहती है। ऐसे में आज हम आपको दीवाली पर मिलने वाले कुछ खास संकेत (नेचपबपवने पहदे वद क्पूंसप) बताने जा रहे हैं।

मां लक्ष्मी के आगमन का संकेत

हिंदू धर्म में उल्लू को देवी लक्ष्मी के वाहन के रूप में देखा जाता है। ऐसे में अगर दीवाली की रात आपके घर या उसके आस–पास उल्लू दिखाई देता है, तो इसे मां लक्ष्मी के आगमन के संकेत के रूप में देखा जाता है। ऐसे में दीवाली के मौके पर इस संकेत को बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

जीवन में आती हैं खुशियां

अगर दीपावली की सुबह आपके द्वार पर गाय माता का आगमन होता है, तो इसे एक शुभ संकेत के रूप में देखा जाता है। इसके साथ ही अगर आपके घर पर रोज सुबह गौ माता आती है, तो इसका अर्थ है कि देवी–देवता आपसे प्रसन्न हैं और आपको घर में खुशियों का आगमन होने वाला है। ऐसे में गाय को रोटी जरूर खिलानी चाहिए।

इन चीजों का आना भी है शुभ



के दिन घर में या उसके आसपास छिपकली, छछूंदर या काली चींटियों का दिखाई देना भी काफी शुभ माना गया है। इन्हें धन की देवी के प्रसन्न होने के रूप में देखा जाता है। इसका अर्थ है कि आपके धन में वृद्धि हो सकती है। वहीं अगर दीवाली के खास मौके पर आपके घर किसी साधु–संत का आगमन होता है, तो ऐसे में उन्हें दान–दक्षिणा देकर विदा करना चाहिए। इससे मां लक्ष्मी की कृपा आपके ऊपर बनी रहती है।



***दिवाली पार्टी के लिए फ्लॉलेस और ग्लोइंग मेकअप पाने के लिए यह लेख आसान टिप्स प्रदान करता है। इसमें त्वचा की तैयारी से लेकर सही फाउंडेशन, आई मेकअप और लिपस्टिक के चुनाव तक के चरण शामिल हैं, जिससे आपका फेस्टिव लुक परफेक्ट बन सके। इन ब्यूटी टिप्स को अपनाकर आप अपनी दिवाली पार्टी में चार चांद लगा सकती हैं।***

# दिवाली पार्टी में चाहिए 'फ्लॉलेस ग्लो'? इन आसान मेकअप टिप्स से बन जाएंगी 'पार्टी

दिवाली पार्टी के लिए मेकअप करते समय चेहरे पर ग्लो और फ्रेश लुक बनाए रखना जरूरी होता है। दिवाली से पहले कई जगहों पर दिवाली पार्टी का आयोजन होता है। अब आपको दिवाली पार्टी को लेकर ज्यादा टेंशन लेने की जरुरत नहीं है। इन टिप्स के जरिए आप फ्लॉलेस मेकअप लुक पा सकते हैं। अगर आप भी दिवाली पार्टी में चार चांद लगना चाहती हैं, तो इस तरह से मेकअप करें। बेहद ही आसान तरीके से आप फ्लॉलेस मेकअप कर सकते हैं।

फ्लॉलेस मेकअप के आसान टिप्स

– इस बात का ध्यान रखें कि मेकअप करने से पहले आप अपनी स्किन को प्रिपेयर कर लें।

– सबसे पहले आप साफ पानी से चेहरे को धोएं और इसके बाद फेस पर मॉइश्चराइजर लगा लें।

– इसके बाद स्किन पर प्राइमर अप्लाई करें।

– अब फाउंडेशन या कंसीलर का यूज कर सकती हैं।

– फिर आप अपने आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स को छुपाने के लिए ऑरेंज करेक्टर का इस्तेमाल कर सकते हैं।

– अब अपनी स्किन टोन से मैच करते हुए कंसीलर लगाएं।

– इसके बाद अपनी आंखों के नीचे हल्का सा लूज पाउडर लगा लें। यह डार्क सर्कल्स को छुपा देगा।

– अब आप अपने मेकअप को 5 मिनट के लिए छोड़ दें। इससे आपके चेहरे का पसीना सूख जाएगा और मेकअप टिका रहेगा।

आई मेकअप टिप्स

आई मेकअप के लिए सबसे पहले आप आईज पर हल्का कंसीलर लगाएं और अपने आउटफिट मैच का आईशैडो लगाएं और अपनी आईलिड के बीच में लगाएं। इसके बाद आप अपने पसंद का कलर वाला आईलाइनर लगा सकते हैं। आखों को बड़ा दिखाने के लिए आप मस्कारा लगा सकते हैं।

सही लिपस्टिक चुनें

अगर आपका मेकअप हैवी है तो आप न्यूड कलर की लिपस्टिक को चूज करें। यदि आपको मेकअप लाइट है तो बोल्ड कलर की लिपस्टिक शेड्स को चुनें। लास्ट में सेटिंग स्प्रे से अपना मेकअप सेट कर दें। फिर आप एकदम पार्टी परफेक्ट फ्लॉलेस मेकअप कर सकती है।



## संक्षिप्त



### पश्चिम बंगाल में उद्योग खुद जमीन खरीदें तो 500 एकड़ पर ही मिलेगा मेगा प्रोजेक्ट का दर्जा

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की भाजपा सरकार उद्योगों को जमीन मालिकों से सीधे जमीन खरीदने के लिए प्रोत्साहित करना चाहती है। इसके लिए राज्य की नई निवेश प्रोत्साहन नीति में 'रणनीतिक और मेगा परियोजना' का दर्जा पाने के मानदंडों में छूट दी गई है। बृहस्पतिवार को जारी नीति दस्तावेज के अनुसार, जो उद्योग अपनी जमीन खुद खरीदेंगे, उन्हें इस श्रेणी का दर्जा पाने के लिए कम जमीन की आवश्यकता होगी। स्वतंत्र रूप से 500 एकड़ जमीन खरीदने वाले निवेशक रणनीतिक और मेगा परियोजना का दर्जा पाने के पात्र होंगे। वहीं, सरकारी एजेंसियों से आवंटित जमीन पर निर्भर परियोजनाओं के लिए यह सीमा 1,000 एकड़ रखी गई है। यह कदम पश्चिम बंगाल में लंबे समय से चली आ रही औद्योगिक जमीन की कमी और जमीन अधिग्रहण से जुड़े राजनीतिक संवेदनशीलता के बीच उठाया गया है। वाम मोर्चा शासन के दौरान सिंगूर और नंदीग्राम आंदोलनों ने औद्योगिक परियोजनाओं के लिए अनिवार्य भूमि अधिग्रहण के खिलाफ व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए थे। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार किसानों से जबरन जमीन का अधिग्रहण नहीं करेगी, लेकिन उद्योगपतियों को जमीन की व्यवस्था करने के लिए पूरी तरह अकेला भी नहीं छोड़ेगी। इससे पिछली सरकार की नीति से अलग रुख का संकेत मिलता है। सरकार औद्योगिक जमीन की कमी दूर करने के लिए कई उपायों पर विचार कर रही है। इनमें जमीन मालिकों से सीधे जमीन खरीदना, भूमि पूलिंग और इस्तेमाल नहीं हो रहे औद्योगिक भूखंडों को वापस लेना शामिल है। भूमि पूलिंग के तहत जमीन मालिक स्वेच्छा से नियोजित विकास के लिए अपनी जमीन दे सकते हैं। इसमें जमा की गई जमीन के एक हिस्से का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे के विकास के लिए किया जा सकता है, जबकि विकसित भूखंड जमीन मालिकों को उनके योगदान के अनुपात में वापस दिए जाएंगे।

### फोर्स मोटर्स अगले साल पहली तिमाही में उतारेगी नया इलेक्ट्रिक ट्रक्स ट्रैवलर

नयी दिल्ली। वाहन विनिर्माता फोर्स मोटर्स अगले साल जनवरी–मार्च तिमाही में अपने ट्रैवलर प्लेटफॉर्म पर आधारित इलेक्ट्रिक वाहन पेश करने की योजना बना रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। इन वाहनों में इलेक्ट्रिक एंबुलेंस भी शामिल होने की उम्मीद है। कंपनी के प्रबंध निदेशक प्रसन फिरोदिया ने पीटीआई–भाषा से कहा कि ट्रैवलर प्लेटफॉर्म पर आधारित इलेक्ट्रिक वाहन तैयार हो चुके हैं और फिलहाल उनके अंतिम परीक्षण तथा नियामकीय मंजूरी की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा, हम अगले कैलेंडर वर्ष की पहली तिमाही में ट्रैवलर प्लेटफॉर्म पर आधारित अपने इलेक्ट्रिक वाहन पेश करने की योजना बना रहे हैं। फिरोदिया ने कहा, ट्रैवलर के इलेक्ट्रिक मॉडल फिलहाल नियामकीय मंजूरी की प्रक्रिया में हैं। इन्हें पहले ही विकसित किया जा चुका है। भारतीय वाहन अनुसंधान संघ (एआरएआई) में इनकी मंजूरी की प्रक्रिया चल रही है और अंतिम परीक्षण भी किए जा रहे हैं। फोर्स मोटर्स ने 2024 में ऑटो एक्सपो में ट्रैवलर का इलेक्ट्रिक संस्करण प्रदर्शित किया था, लेकिन अभी तक इसकी बिक्री शुरू नहीं की है। कंपनी की योजना ट्रैवलर के कई इलेक्ट्रिक मॉडल पेश करने के बाद अपनी यात्री वाहन श्रेणी की गाड़ी अर्बानिया का इलेक्ट्रिक संस्करण लाने की है। फिरोदिया ने कहा कि अर्बानिया इलेक्ट्रिक मॉडल का विकास जारी है और इसे नियामकीय मंजूरी मिलने में अभी कुछ महीने लगेंगे। कंपनी चरणबद्ध तरीके से अपने अन्य वाहन प्लेटफॉर्म को भी इलेक्ट्रिक बनाने की योजना पर काम कर रही है।

### भारतीय कंपनियां बड़े पैमाने पर लागू कर रहीं एआई, ठोस फायदे दिखने लगे : ओरेकल

लास वेगास। ओरेकल इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और जापान एवं एशिया–प्रशांत क्षेत्र में कंपनी की क्लाउड सेवा नेटसुइट के क्षेत्रीय प्रबंध निदेशक शैलेन्द्र कुमार ने कहा कि भारतीय कंपनियां कृत्रिम मेधा (एआई) के प्रायोगिक इस्तेमाल से आगे बढ़कर अब इसे बड़े स्तर पर अपना रही हैं। उन्होंने कहा कि कंपनियों को इसके वास्तविक लाभ भी मिल रहे हैं। हालांकि, लागत, कुशल कर्मचारियों की उपलब्धता और बुनियादी ढांचे से जुड़ी चुनौतियां अब भी बनी हुई हैं। कुमार ने ओरेकल एआई वर्ल्ड 2026 से इतर पीटीआई–भाषा से बातचीत में कहा, करीब डेढ़ साल पहले तक हम एआई के प्रायोगिक इस्तेमाल की बात कर रहे थे। अब हम इसे बड़े स्तर पर लागू होते देख रहे हैं और इसके वास्तविक लाभ भी सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियां नई प्रौद्योगिकी को अपनाने से हिचकिचाती नहीं हैं, लेकिन वे पहले यह जानना चाहती हैं कि इससे उन्हें वास्तव में क्या फायदा होगा। कुमार ने कहा, कंपनियां यह देखना चाहती हैं कि एआई से उनका समय बचेगा, लागत कम होगी या कोई अन्य लाभ मिलेगा। कुछ साल पहले सुरक्षा और कामकाज के प्रदर्शन को लेकर काफी आशंकाएं थीं, क्योंकि लोगों को इन पहलुओं पर भरोसा नहीं था। उन्होंने कहा कि जब कंपनियों को एआई के ठोस लाभ दिखाई देने लगते हैं, तो वे इसे तेजी से अपनाती हैं। भारत में एआई के इस्तेमाल की रफ्तार धीमी करने वाली चुनौतियों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि लागत निश्चित रूप से उनमें से एक है। कुशल कर्मचारियों की उपलब्धता के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि ओरेकल विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और राज्य सरकारों के साथ मिलकर विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देने का काम कर रही है। इसमें औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) और पॉलिटेक्निक संस्थानों के विद्यार्थी भी शामिल हैं। उन्होंने बुनियादी ढांचे को भी एक चुनौती बताया, लेकिन कहा कि देश में नए डेटा सेंटर स्थापित होने से इस समस्या का समाधान किया जा रहा है। कुमार ने कहा, लोग एआई को अपनाने के लिए तैयार हैं, बशर्ते उन्हें इससे होने वाला लाभ दिखाई दे। एआई और मनुष्यों के बीच निर्णय लेने की जिम्मेदारी के बंटवारे के बारे में पूछे जाने पर कुमार ने कहा कि एआई के मामले में सबसे महत्वपूर्ण पहलू उसके इस्तेमाल की निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित करना है।

# मोहम्मद शमी ने टेस्ट क्रिकेट से लिया संन्यास



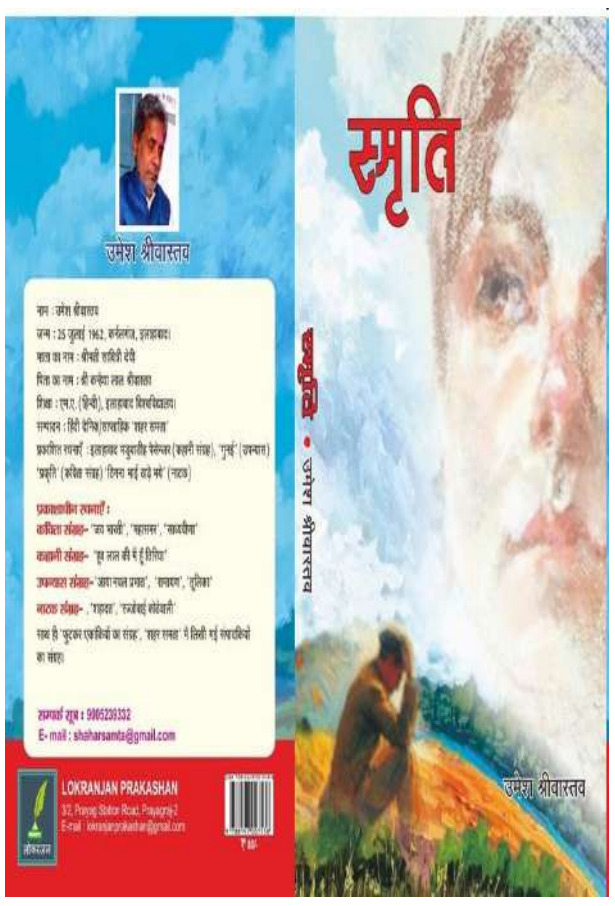
*भारतीय तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद शमी ने सोशल मीडिया पर भावुक पोस्ट साझा कर टेस्ट क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया। 35 वर्षीय शमी ने नवंबर 2013 में डेब्यू के बाद भारत के लिए 64 टेस्ट मैच खेले और 229 विकेट चटकाए। उन्होंने अपनी इस यात्रा में सहयोग के लिए बीसीसीआई, सीएबी, परिवार और प्रशंसकों का आभार जताया।*

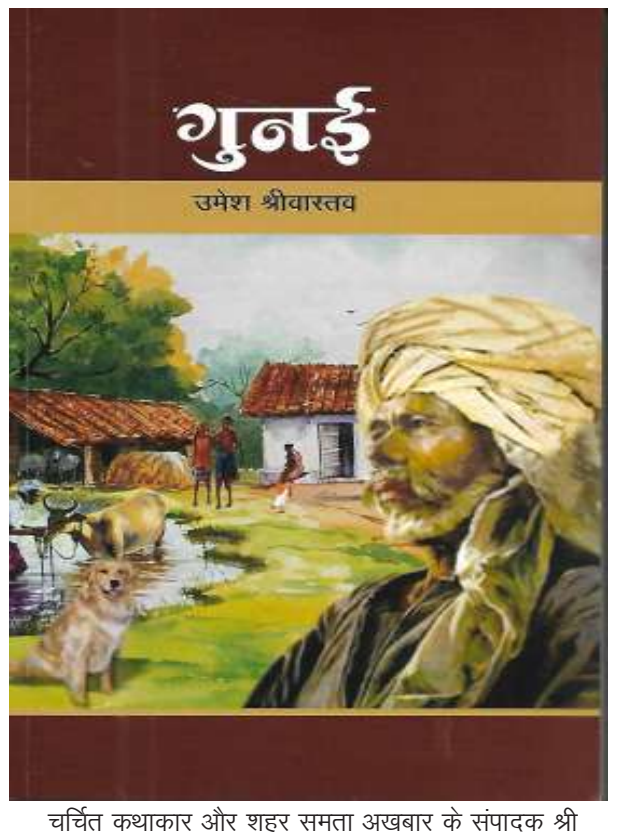
भारतीय तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद शमी ने शुक्रवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी, जिससे उनके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर का एक अहम अध्याय समाप्त हो गया। इस अनुभवी तेज़ गेंदबाज़ ने सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट के ज़रिए अपने इस फ़ैसले की जानकारी दी। उन्होंने क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप में अपने सफ़र को याद किया और उन सभी लोगों का शुक्रिया अदा किया, जो इस दौरान उनके साथ खड़े रहे। शमी ने उस दिन को याद करते हुए लिखा कि जब मैंने पहली बार भारत की टेस्ट जर्सी पहनी थी, तब मेरा बस एक ही सपना था – अपने देश के लिए कुछ कर दिखाने का।

35 वर्षीय शमी ने कहा कि हर विकेट, संघर्ष, चोट और वापसी ने उन्हें जीवन के ज़रूरी सबक सिखाए हैं। उन्होंने टेस्ट क्रिकेट को महज़ एक प्रारूप से कहीं बढ़कर बताया। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट मेरे लिए सिर्फ एक फॉर्मेट नहीं था; यह मेरी ज़िंदगी का एक बहुत ही खास हिस्सा था। भारी मन और अनगिनत सुनहरी यादों के साथ अपने फैसले की घोषणा करते हुए, शमी ने अपने साथियों, कोचों, परिवार और उन लाखों भारतीय समर्थकों का आभार जताया, जिन्होंने अच्छे और बुरे, हर समय उन पर भरोसा बनाए रखा। उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (ठ।ब्ब्ए) और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (ब।ठ) को भी धन्यवाद दिया, जिन्होंने उनकी प्रतिभा पर भरोसा किया, उन्हें मौके दिए और उनके क्रिकेट सफर में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने लिखा कि भले ही मैंने अपनी आखिरी टेस्ट गेंद फेंक दी हो, लेकिन भारत के लिए खेलने का गर्व मेरे दिल में हमेशा जिंदा रहेगा। दिल से आभार जताते हुए, शमी ने अपनी बात खत्म कीरू ध्धन्यवाद, टेस्ट क्रिकेट।ष उनके संन्यास के साथ ही पारंपरिक फॉर्मेट में उनके सफर का अंत हो गया है, जबकि भारत की सफेद जर्सी में उनके शानदार प्रदर्शन की यादें हमेशा उनकी क्रिकेट विरासत का एक अहम हिस्सा बनी रहेंगी। शमी ने नवंबर 2013 में ईडन गार्डन्स में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना टेस्ट डेब्यू किया। उन्होंने भारत के लिए कुल 64 टेस्ट मैच खेले, जिनमें 27.71 की औसत से 229 विकेट लिए। उनके नाम छह बार एक पारी में पांच या उससे अधिक विकेट लेने का कारनामा दर्ज है, और उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन इंग्लैंड के खिलाफ 56 रन देकर 6 विकेट लेना रहा। अपनी तेज गति, रिवर्स स्विंग और पुरानी गेंद से मूवमेंट निकालने की क्षमता के लिए मशहूर शमी हर तरह की परिस्थितियों में भारतीय गेंदबाजी आक्रमण का एक अहम हिस्सा बन गए। उन्होंने भारत के विदेशी दौरों – खासकर ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका में – बेहद अहम भूमिका निभाई और जसप्रीत बुमराह के साथ मिलकर एक शानदार जोड़ी बनाई।

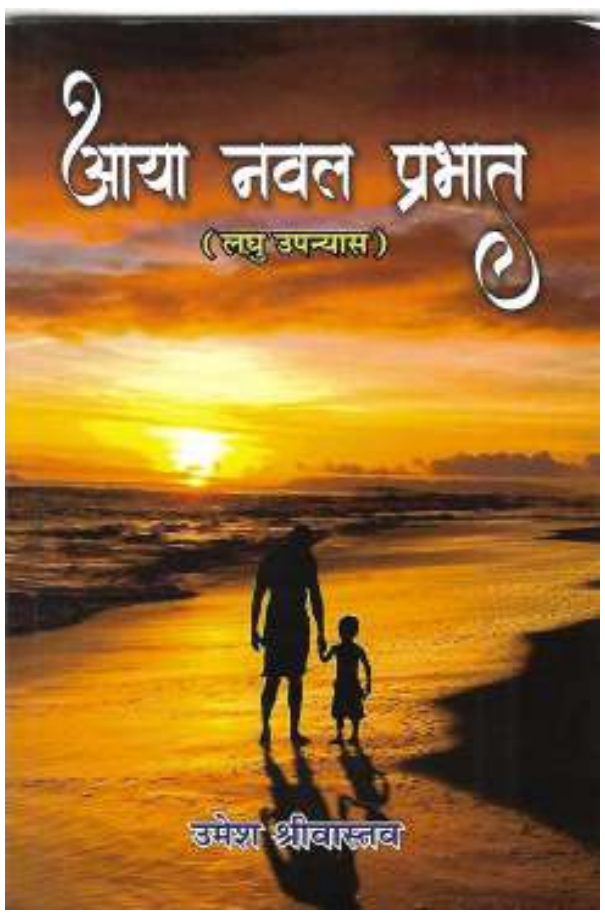
# टी 20 विवाद के बीच इंडियन ऑयल की सफाई, 56 सैंपलों में 19–21प्रतिशत इथेनॉल की पुष्टि

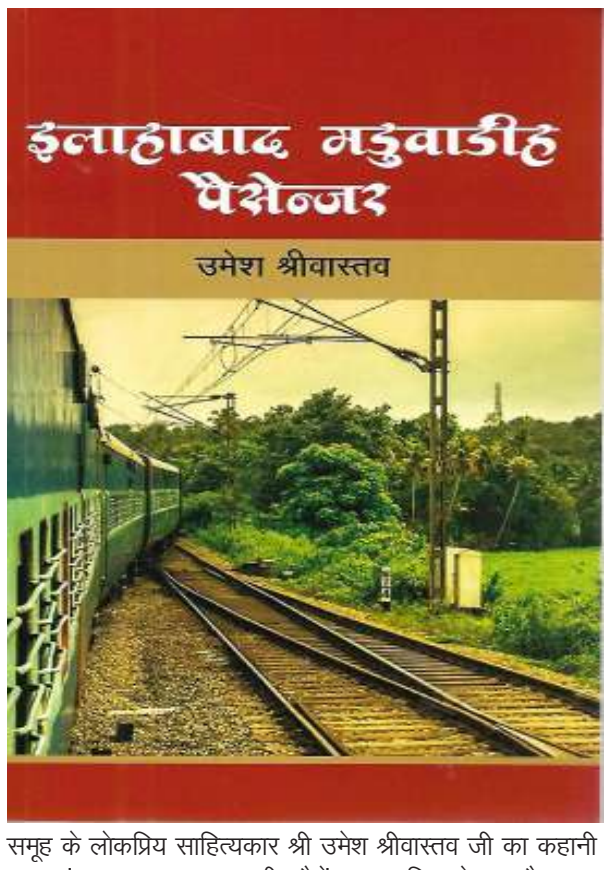
सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों ने कर्नाटक के उस दावे को खारिज कर दिया है, जिसमें कहा गया था कि राज्य के कुछ रिटेल आउटलेट्स पर बेचे जाने वाले पेट्रोल में 31 प्रतिशत तक इथेनॉल था। कंपनियों का कहना है कि ये नतीजे तय प्रक्रियाओं के तहत की गई टेस्टिंग पर आधारित नहीं हैं। कर्नाटक सरकार ने आरोप लगाया है कि प्रमुख तेल विपणन कंपनियां ऐसा पेट्रोल सप्लाई कर रही थीं, जिसमें इथेनॉल की मात्रा तय सीमा (20 प्रतिशत) से अधिक थी। जांच में यह मात्रा 31.2 प्रतिशत तक पाई गई, जिसके बाद सरकार ने इन कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में खाद्य, नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और कानूनी माप–तोल मंत्री रिज़वान अरशद ने बताया कि ये आरोप बेंगलुरु, कोलार, चिक्काबल्लापुरा, बेंगलुरु ग्रामीण, रामनगर, मंगलुरु और तुमकुरु से लिए गए पेट्रोल के नमूनों की जांच पर आधारित हैं। शुक्रवार को एक संयुक्त बयान में, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने कहा कि उन्होंने राज्य के खाद्य, नागरिक आपूर्ति, उपभोक्ता मामले और कानूनी माप–तोल विभाग के उस बयान पर ध्यान दिया है, जिसमें दावा किया गया था कि कुछ रिटेल आउटलेट्स पर बिकने वाले पेट्रोल में 26 प्रतिशत से 31 प्रतिशत तक इथेनॉल मौजूद था। बयान में कहा गया है, व्डब (तेल विपणन कंपनियां) यह स्पष्ट करना चाहती हैं कि जिन दावों की रिपोर्ट दी गई है, वे निर्धारित कानूनी और तकनीकी प्रक्रियाओं के अनुसार किए गए परीक्षणों से साबित नहीं होते हैं। कंपनियों ने कहा कि कर्नाटक सहित पूरे देश में उनके द्वारा सप्लाई किया जाने वाला E20 पेट्रोल, IS 17021 (एथेनॉल–मिश्रित मोटर गैसोलीन के लिए भारतीय मानक ब्यूरो के विनिर्देश) के अनुरूप है। उन्होंने कहा कि अक्टूबर 2026 की प्रक्रिया में अपनाए गए सैंपलिंग के तरीके और कार्यप्रणाली को लेकर उन्हें कुछ चिंताएं थीं। उन्होंने बताया कि आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 के तहत जारी श्मोटर स्पिरिट और हाई स्पीड डीजल (आपूर्ति, वितरण का विनियमन और कदाचार की रोकथाम) आदेश, 2005 (जिसे कंट्रोल ऑर्डर कहा जाता है) और मार्केटिंग डिसिप्लिन गाइडलाइंस 2024 में सैंपल लेने, उन्हें सुरक्षित रखने, उनकी जांच करने और नतीजों की जानकारी देने के लिए एक तय प्रक्रिया बताई गई है।



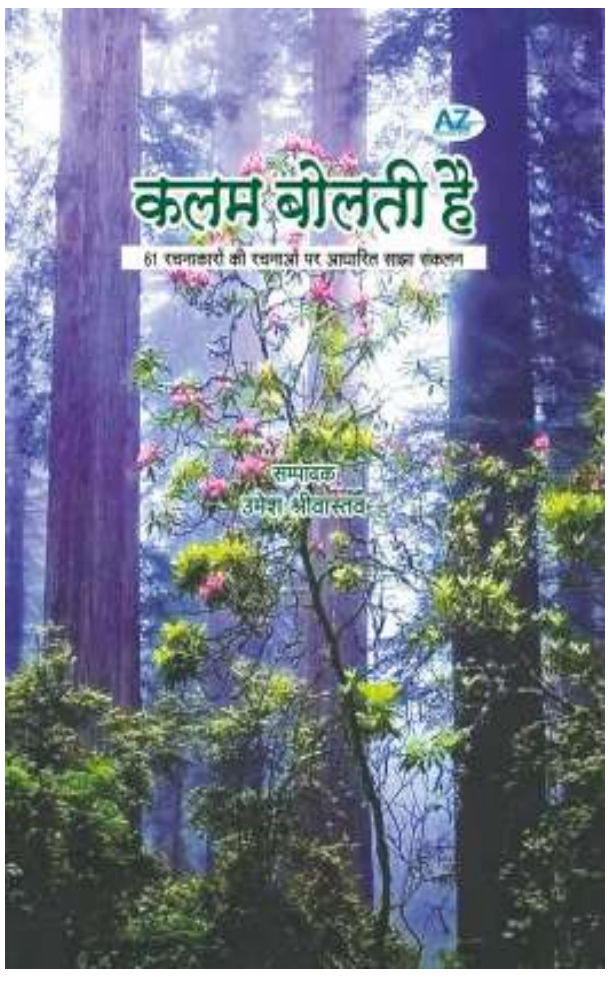



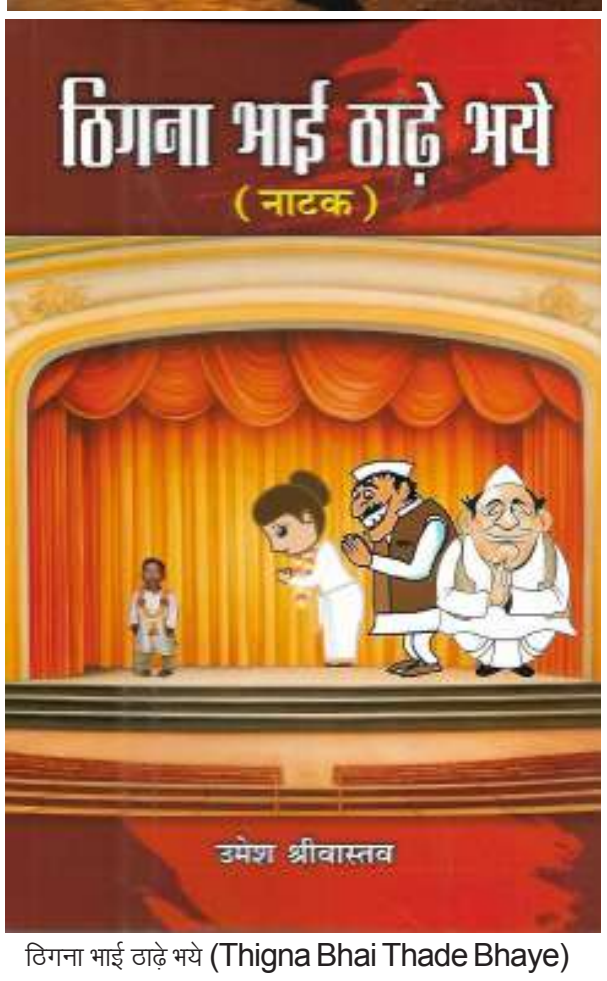

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित




समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।




ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

# फॉरसाइथ काउंटी जॉर्जिया में भारतीय आबादी 52000 पहुंची, नस्ली इतिहास वाले इलाके में बनाया नया ठिकाना

फॉरसाइथ काउंटी (अमेरिका)। लगभग दो सदी पहले, ज़मीन और सोने (गोल्ड) के लालच में गोरे यूरोपीय प्रवासियों ने उत्तरी जॉर्जिया में मूल निवासी अमेरिकी इंडियन्स को उनकी पुश्तैनी ज़मीन से खदेड़ दिया और उस पर अपना कब्ज़ा कर लिया था। अब, तेलुगू, हिंदी और तमिल बोलने वाले दूसरी तरह के भारतीय हज़ारों की संख्या में आकर उस ज़मीन पर बस रहे हैं। वे लाखों डॉलर के आलीशान घर खरीद रहे हैं और उत्तरी जॉर्जिया की हरी–भरी ढलानी पहाड़ियों के बीच पूरे फ़ॉरसाइथ काउंटी में 'लघु भारत' बना रहे हैं। हालांकि, यह बात स्थानीय लोगों को हमेशा रास नहीं आती है। सामुदायिक नेताओं का कहना है कि भारतीय लोग सामाजिक रूप से श्वेत अमेरिकियों के साथ बहुत कम मेल–जोल रखते हैं और उनकी एक तरह से खुद को अलग–थलग रखने की आदत होती है। उनका कहना है कि इससे स्थानीय लोगों में नाराज़गी पैदा होती है और प्रवासी–विरोधी भावनाओं को बढ़ावा मिलता है, जो हाल के वर्षों में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'मागा' आंदोलन के बढ़ने के साथ और तेज़ हुई हैं। भारतीय सबसे पहले 1960 के दशक में शिक्षाविदों या छात्रों के रूप में स्थानीय एमोरी यूनिवर्सिटी और जॉर्जिया टेक में आए थे। लेकिन तब उनकी संख्या बहुत कम थी। आधिकारिक जनगणना के अनुसार, 1990 के दशक के उत्तरार्ध में अमेरिका में प्रवासियों की आमद बढ़ने के बाद भी, साल 2000 में फ़ॉरसाइथ काउंटी में केवल 160 भारतीय थे। आज यह संख्या बढ़कर लगभग 52,000 हो गई है, जिसने फ़ॉरसाइथ काउंटी के पूरे चरित्र को पूरी तरह से बदल दिया है। भारतीय अब काउंटी की आबादी का 16 प्रतिशत हिस्सा हैं, जो श्वेत निवासियों (63.5 प्रतिशत) के बाद दूसरा सबसे बड़ा जातीय समूह है। अमेरिका में एक 'काउंटी' मोटे तौर पर भारत के एक ज़िले के बराबर होती है, जिसमें कई शहर और कस्बे शामिल होते हैं, लेकिन इसका प्रशासन निर्वाचित अधिकारियों द्वारा चलाया जाता है। 'यूएसए इंडिया बिजनेस समिट' के कार्यक्रम अध्यक्ष एनी अग्निहोत्री ने कहा कि जॉर्जिया आने वाले नए भारतीय प्रवासियों के लिए फ़ॉरसाइथ पहली पसंद है, क्योंकि यहां एक सुस्थापित सहायता तंत्र मौजूद हैरू जैसे भारतीय दुकानें, मंदिर और अच्छे स्कूल। उन्होंने रेखांकित किया कि यहां भारतीयों की औसत वार्षिक आय लगभग 1,50,000 अमेरिकी डॉलर है, जो आम अमेरिकियों की औसत आय से काफी अधिक है, और यही बात स्थानीय लोगों की नाराज़गी का एक और कारण बन जाती है। साल 1991 में एमबीए छात्र के रूप में जॉर्जिया आए अग्निहोत्री ने कहा, ''भारतीय क्या चाहते हैं? हम इन पांच लक्ष्यों के साथ अमेरिका आते हैंरू हम बड़े घर खरीदना चाहते हैं, बड़ी कार चाहते हैं, अच्छा पैसा कमाना चाहते हैं, मंदिरों में जाना चाहते हैं, और अपने बच्चों को आइवी लीग कॉलेजों में भेजना चाहते हैं।'' आइवी लीग अमेरिका के आठ सबसे पुराने, सबसे प्रतिष्ठित और दुनिया के बेहतरीन निजी विश्वविद्यालयों का एक समूह है। समृद्ध समुदायों का केंद्र बना फ़ॉरसाइथ कभी एक ग्रामीण और पिछड़ा इलाका हुआ करता था, जो नस्लवाद के एक काले इतिहास से कलंकित था। यह नस्लवाद



पहले 1830 के दशक में चेरोकी आदिवासियों के खिलाफ था और बाद में उन अश्वेतों के खिलाफ जो हाल ही में गुलामी से आज़ाद हुए थे। हाल ही में फ़ॉरसाइथ काउंटी के मुख्य शहर कमिंग में रहने आए जॉर्जिया के पुराने निवासी वेणु चल्ला ने कहा, ''बहुत कम भारतीय इस विडंबना से वाकिफ हैं कि वे एक ऐसी मिट्टी पर बस रहे हैं जो दो सदियों तक नस्ली हिंसा के खून से सनी रही है।'' चल्ला 56 विशाल और आलीशान पांच–बेडरूम वाले घरों की एक नव–निर्मित सोसायटी में रहते हैं, जिनमें से प्रत्येक घर की कीमत लगभग 15 लाख डॉलर है। इनमें से 45 घरों के मालिक और निवासी भारतीय हैं। एक घर में एक श्वेत अमेरिकी परिवार रहता है, एक में एक अफ्रीकी अमेरिकी परिवार और बाकी घरों में पूर्वी एशियाई लोग रहते हैं। यह सोसायटी सुवेनी कस्बे के एक बाजार से कुछ ही दूरी पर है, जहां हाल ही में शनिवार की एक शाम 'सुविधा' सुपरमार्केट के गलियारों में धीमी आवाज़ में बातचीत गूंज रही थी, जिसमें ज़्यादातर बातें तेलुगु में और कुछ हिंदी में सुनाई दे रही थीं। लोग अपनी शॉपिंग ट्रॉलियों में डोसा और इडली के बैटर (घोल) के डिब्बे, दही के कैन और आटे के थैले भर रहे थे। दीवाली पास होने के कारण डोडा बर्फी, चमचम और हैदराबादी मीठी बालूशाही भारी मात्रा में सजाकर रखी गई थी। ठीक बगल में स्थित 'फ्रेश रोटी' दुकान–जो 'चाइनीज ढाबा' और 'सारा सैलून' के बीच में है–वहां कई तरह की चपातियां बिक रही थीं। मार्केट के अंत में लगे इलेक्ट्रॉनिक बिलबोर्ड पर राहुल क्लोदिंग, दृष्टि फ्लॉवर्स, स्पोर्ट्स अड्डा जैसी दुकानों के साथ मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के विज्ञापन चमक रहे थे। अग्निहोत्री ने बताया कि अकेले ग्रेटर अटलांटा क्षेत्र में ही 100 हिंदू मंदिर हैं, जिसमें विशाल बीएपीएस स्वामीनारायण मंदिर भी शामिल है। इसका उद्घाटन 2007 में हाथियों के साथ एक भव्य नगर यात्रा निकालकर किया गया था, जो इस इलाके में पहले कभी नहीं देखी गई थी। यहां हर साल गणेश चतुर्थी पर किराए के हेलीकॉप्टर से फूलों की वर्षा की जाती है। इस क्षेत्र में अमीर भारतीयों की मौजूदगी से स्थानीय अर्थव्यवस्था को स्पष्ट रूप से फायदा हुआ है, लेकिन अग्निहोत्री का कहना है कि भारतीयों को स्थानीय लोगों के साथ घुलने–मिलने और समाज में अधिक योगदान देने का प्रयास करना चाहिए। चल्ला का मानना है कि घुलने–मिलने की यह कमी सभी देशों के पहली पीढ़ी के प्रवासियों में आम बात होती है। आमतौर पर, दूसरी पीढ़ी समाज में बेहतर तरीके से घुल–मिल जाती है। उन्होंने कहा कि जो चीज़ भारतीय अमेरिकियों को अलग बनाती है, वह यह है कि उनके क्षेत्रीय, भाषाई, पहनावे और जातिगत विभाजन एक गैर–यूरोपीय संदर्भ से आते हैं, जिससे आम अमेरिकी कम परिचित हैं। भारतीय अमेरिकियों की दूसरी पीढ़ी इस पुराने ढर्रे को लेकर नहीं चलती। उदाहरण के लिए सुचिता पटेल को लीजिए, जो दूसरी पीढ़ी की भारतीय अमेरिकी हैं और जिन्होंने हाल के चुनावों में डेमोक्रेटिक पार्टी के टिकट पर फ़ॉरसाइथ काउंटी कमीशन की सीट के लिए चुनाव लड़ा था। वह हार गईं, लेकिन बहुत कम अंतर से, जो यह दिखाता है कि भारतीयों को अब केवल भारतीय बस्तियों में रहने वाले आईटी क्षेत्र के पढ़ाकू लोगों के रूप में नहीं, बल्कि अमेरिकियों के रूप में देखा जा रहा है। इसी तरह, कई अन्य दूसरी पीढ़ी के भारतीय अमेरिकियों ने भी तीन नवंबर के मध्यावधि चुनावों में अपनी छाप छोड़ी। सार्वजनिक सेवा में पटेल की यह भागीदारी 1987 तक अकल्पनीय होती, जब फ़ॉरसाइथ पूरी तरह से गोरे लोगों का और घोर नस्लवादी इलाका था। उस साल जनवरी में, अटलांटा के नागरिक अधिकार कार्यकर्ता जो फ़ॉरसाइथ में एक शांति मार्च निकालना चाहते थे, उन्हें श्वेत निवासियों द्वारा हिंसक रूप से रोक दिया गया और खदेड़ दिया गया। पुरुषों, महिलाओं और बच्चों ने कमिंग शहर के बाहरी इलाके में 'गो होम, निगर्स' (अश्वेतों के लिए अपमानजनक शब्द) के नारों और 'फ़ॉरसाइथ स्टेस व्हाइट' (फ़ॉरसाइथ सिर्फ गोरों का रहेगा) के पोस्टरों के साथ शांति मार्च करने वालों की बस का रास्ता रोक दिया था। साल 1912 में कमिंग में 18 वर्षीय श्वेत लड़की, मे क्रो से दुष्कर्म और उसकी हत्या के बाद फ़ॉरसाइथ पूरी तरह से केवल गोरों का इलाका बन गया था। बदले की कार्रवाई में, एक अश्वेत व्यक्ति रॉब एडवर्ड्स को भीड़ ने काउंटी जेल से बाहर खींच लिया, उसे गोली मार दी, उसका सिर कुचल दिया और उसकी हत्या कर दी। जब उसका बेजान शरीर एक टेलीग्राफ के खंभे से लटक रहा था, तो लोग पिस्तौल और बन्दूक लेकर बारी–बारी से उसकी लाश को और क्षत–विक्षत करते रहे। बाद में, एकतरफा मुकदमे के बाद दो अन्य अश्वेत पुरुषों को भी फांसी दे दी गई। पैट्रिक फिलिप्स ने फ़ॉरसाइथ में नस्लवाद पर लिखी अपनी 2016 की किताब 'ब्लड एट द रूट्स' में लिखा है, ''1912 के जॉर्जिया में किसी अश्वेत व्यक्ति की भीड़ द्वारा पीट–पीटकर हत्या करना कोई असामान्य बात नहीं थी, और अगली सुबह कोर्टहाउस के लॉन में पड़ी एडवर्ड्स की लाश ने प्रतिशोध के भूखे लोगों को संतुष्ट कर दिया था।'' इसके बाद, श्वेत वर्चस्ववादियों द्वारा इलाके के सभी अश्वेतों को वहां से खदेड़ दिया गया और यह दशकों तक पूरी तरह से श्वेत लोगों का समुदाय बना रहा, यहां तक कि जॉर्जिया 1915 में 45 साल के अंतराल के बाद पुनर्जीवित 'कु क्लक्स क्लान' का जन्मस्थान भी बना। ब्रिटेन के श्वेत उपनिवेशवादी 1733 में जॉर्जिया आए थे, जहां चेरोकी इंडियन्स सदियों से रह रहे थे।

## शी चिनफिंग, ट्रंप और पुतिन की ऐतिहासिक बैठक की तैयारी में जुटा चीन

वाशिंगटन। चीन ने पहली बार इस बात की पुष्टि की है कि वह चीनी नेता शी चिनफिंग, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच एक ऐतिहासिक बैठक को लेकर चर्चा कर रहा है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने इस सप्ताह बीजिंग में एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि चीन तीनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों के बीच बैठक के संबंध में संबंधित पक्षों के साथ संपर्क में है। अभी कुछ भी तय नहीं है, लेकिन तीनों नेताओं की यह बैठक इस महीने शेनझेन में एक क्षेत्रीय शिखर सम्मेलन के इतर हो सकती है। अगर ऐसा होता है, तो यह ऐतिहासिक होगा। हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि तीनों नेताओं द्वारा किसी ठोस मुद्दे पर चर्चा करने की संभावना कम है क्योंकि उनके हित एक–दूसरे के विपरीत हैं, लेकिन वे एक तस्वीर के लिए साथ आ सकते हैं, जिसे चीन बेहद सावधानी से तैयार करेगा। स्टिमसन सेंटर में 'चाइना प्रोग्राम' की निदेशक सन युन ने कहा, मुझे लगता है कि यह बैठक होगी। सवाल इसके प्रारूप और सामग्री का है।'' चीन इस साल एशिया–प्रशांत आर्थिक सहयोग के नेताओं के शिखर सम्मेलन का मेजबान है, जो 21 सदस्यों का एक समूह है और इसमें अमेरिका व रूस भी शामिल हैं। ट्रंप के शेनझेन यात्रा पर जाने की उम्मीद है, जहां वह इस साल तीसरी बार शी से मिलेंगे ताकि जनवरी में समाप्त हो रहे व्यापार समझौते को बरकरार रखा जा सके। तनाव बरकरार रहने के संकेतों के बीच, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर ने शुक्रवार को चीन के उप–प्रधानमंत्री हे लिफेंग के साथ एक वीडियो कॉल में बीजिंग से अपने पिछले वादों को पूरी तरह से लागू करने के लिए ठोस कदम उठाने का आग्रह किया।'' चीन की आधिकारिक समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने शनिवार को खबर दी कि इस बातचीत में दोनों पक्षों के बीच गहन और रचनात्मक बातचीत हुई, और चीन ने अपने खिलाफ वाशिंगटन के प्रतिबंधात्मक आर्थिक और व्यापारिक उपायों पर चिंता व्यक्त की।

## व्हाइट हाउस के पास हथियारों समेत पकड़ा गया संदिग्ध, डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की बात कही

वाशिंगटन। अमेरिका की खुफिया सेवा 'सीक्रेट सर्विस' ने राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय 'व्हाइट हाउस' के पास एक वाहन से एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आरोप तय किए हैं। गिरफ्तार व्यक्ति के पास से बंदूकें भी मिली हैं। 'सीक्रेट सर्विस' के अनुसार, आरोपी ने दावा किया कि उसे अपने दिमाग में ऐसी आवाजें सुनाई देती थीं, जो उसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या करने के लिए कहती थीं। अमेरिका के गृह मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, 'सीक्रेट सर्विस' के अधिकारियों ने बृहस्पतिवार रात एक खड़ी कार में मौजूद व्यक्ति की संदिग्ध गतिविधियां देखकर उससे पूछताछ की, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, संदिग्ध की पहचान रॉनी यॉर्ड्रिक्स गुआनिपा क्रिनोस के रूप में हुई है।



उसने बताया कि उसे ऐसी आवाजें सुनाई देती थीं जो उसे देश की राजधानी वाशिंगटन जाकर राष्ट्रपति ट्रंप की हत्या करने के लिए कहती थीं। इसके कुछ ही समय बाद अधिकारियों को पता चला कि संदिग्ध जिस वाहन में बैठा था, उसकी चोरी की शिकायत दर्ज कराई गई थी। उसके पास से तीन बंदूक और दर्जनों कारतूस भी मिले हैं। बयान में क्रिनोस को वेनेजुएला का प्रवासी बताया गया है, जो मार्च 2024 में टेक्सास के रास्ते अमेरिका में दाखिल हुआ था और देश में अवैध रूप से रह रहा था। गृह मंत्रालय ने बताया कि क्रिनोस के खिलाफ आरोप तय किए गए हैं और वह फिलहाल 'यूएस मार्शल सर्विस' की हिरासत में है। 'व्हाइट हाउस' ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की।

## डोनाल्ड ट्रंप ने स्टीफन मिलर को बनाया नया चीफ ऑफ स्टाफ

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को कहा कि स्टीफन मिलर व्हाइट हाउस में चीफ ऑफ स्टाफ के पद पर सूसी वाइल्स की जगह लेंगे। अमेरिकी चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के संसद में नियंत्रण गंवाने के कुछ दिनों बाद यह बदलाव किया गया है। मिलर लंबे समय से ट्रंप के करीबी सहयोगी रहे हैं और प्रशासन की सख्त आव्रजन नीतियों के प्रमुख सूत्रधार माने जाते हैं। वह ट्रंप के 2016 के राष्ट्रपति चुनाव अभियान में भाषण लेखक के रूप में शामिल हुए थे। फिलहाल वह व्हाइट हाउस (अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय) में नीति मामलों के डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ हैं। इस नियुक्ति से संकेत मिलता है कि मंगलवार को मध्यावधि चुनाव में हार के बाद भी ट्रंप नरम रुख अपनाने के बजाय अपनी नीतियों पर कायम रहना चाहते हैं। आने वाले समय में डेमोक्रेटिक पार्टी के नियंत्रण वाली कांग्रेस के साथ उनका टकराव बढ़ सकता है। मिलर को ट्रंप की अमेरिका फर्स्ट नीति का प्रबल समर्थक माना जाता है। उन्हें राष्ट्रपति की कार्यकारी शक्तियों और संघीय सरकार की कार्यप्रणाली की गहरी समझ है। ऐसे में ट्रंप के कार्यकाल के अंतिम दो वर्षों में कार्यकारी आदेशों के जरिये कई बड़े फैसले लिए जा सकते हैं। सूसी वाइल्स ने बृहस्पतिवार रात अपना इस्तीफा सौंप दिया था। ट्रंप ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि वह उनके राजनीतिक संगठन के साथ काम करती रहेंगी। वाइल्स ने भी सोशल मीडिया पर कहा कि ट्रंप के साथ व्हाइट हाउस में काम करना उनके जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है। वाइल्स (69) ट्रंप की सबसे भरोसेमंद राजनीतिक सलाहकारों में रही हैं। वह व्हाइट हाउस की पहली महिला चीफ ऑफ स्टाफ थीं और ट्रंप के दूसरे कार्यकाल में इस पद पर सबसे लंबे समय तक रहीं। मार्च 2026 में उन्होंने अपने स्तन कैंसर की जानकारी सार्वजनिक की थी। बाद में उन्होंने बताया कि अब उनमें कैंसर के लक्षण नहीं हैं।

## तनाव के बावजूद हम निकाल रहे अधिक तेल, डोनाल्ड ट्रम्प का नया बयान– यूएस और ईरान में कोई युद्ध नहीं

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के साथ चल रहे टकराव को युद्ध नहीं बताया है। उनका दावा है कि वाशिंगटन ने तेहरान के साथ निपटने में काफी प्रगति की है और अभी वे तनाव शुरू होने से पहले की तुलना में अधिक तेल निकाल रहे हैं। डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि हमने ईरान के साथ काफी प्रगति की है। हम अब युद्ध से पहले की तुलना में अधिक तेल निकाल रहे हैं। यह कोई युद्ध नहीं है। इसे युद्ध कैसे कहा जा सकता है, जब पिछले पांच महीनों में किसी को कोई चोट नहीं आई, कोई मारा नहीं गया, या ऐसा कुछ भी नहीं हुआ? यह युद्ध नहीं है। ये बयान ऐसे समय में आए हैं जब ईरान को निशाना बनाने वाले अमेरिकी सैन्य अभियान की दिशा को लेकर काफी अनिश्चितता बनी हुई है, और साथ ही नए हवाई हमलों को लेकर भी चर्चाएं चल रही हैं। हालांकि व्हाइट हाउस में सक्रिय सैन्य विकल्पों



पर विचार–विमर्श चल रहा है, लेकिन ट्रम्प का यह तर्क कायम है कि मौजूदा तनाव को युद्ध नहीं माना जा सकता। वहीं, तेहरान के साथ व्यापक टकराव क्षेत्र के लिए एक बड़ी चिंता का विषय बना हुआ है। इसके अलावा, अमेरिकी नेता ने जोर देकर कहा कि क्षेत्रीय स्थिरता पूरी तरह से उनके प्रशासन द्वारा ईरान के परमाणु विकास को रोकने के लिए किए गए पिछले हस्तक्षेपों पर निर्भर थी। अपने ट्रुथ सोशलश प्लेटफॉर्म के जरिए जारी एक बयान में, डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं के खिलाफ उनके व्यक्तिगत हस्तक्षेप को हर कोई मानता तो है, लेकिन जानबूझकर इसके बारे में बहुत कम बताया गया है। उन्होंने लिखा, अगर मैंने ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से नहीं रोका होता, तो आज इज़राइल – और असल में पूरा मध्य पूर्व – मौजूद ही नहीं होता! कोई यह बात कहना नहीं चाहता, लेकिन सब जानते हैं कि यह सच है! ट्रम्प ने बार–बार ईरान के परमाणु बुनियादी ढांचे के खिलाफ किए गए अभियानों को एक बड़ी जीत के रूप में पेश किया है। 2025 और 2026 के दौरान, वाशिंगटन और इज़राइली सेनाओं ने ईरान के परमाणु और सैन्य ठिकानों पर भारी बमबारी की, जिसका मुख्य उद्देश्य ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना था। फिर भी, तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को हुए नुकसान का पूरा आकलन अभी भी स्पष्ट नहीं है। अक्टूबर में प्रकाशित श्कांग्रेसेशनल रिसर्च सर्विसश के एक आकलन में बताया गया है कि हथियारों के स्वदेशी निर्माण की क्षमता पर वास्तव में क्या असर पड़ा है, यह अभी भी तय नहीं है। इस मूल्यांकन में पुरानी खुफिया जानकारी पर बनी आम सहमति का भी जिक्र है, जिसके अनुसार तेहरान ने परमाणु उपकरण बनाने से परहेज किया था। वहीं, ईरानी अधिकारी लगातार परमाणु हथियार विकसित करने की अपनी किसी भी मंशा से इनकार करते रहे हैं। उनका कहना है कि उनके देश का परमाणु ढांचा पूरी तरह से नागरिक कार्यों (शांतिपूर्ण उद्देश्यों) के लिए है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

## दक्षिण अफ्रीका के शॉपिंग मॉल में दिवाली उत्सवों को 'ब्लैक फ्राइडे सेल' से जोड़कर बढ़ी रौनक

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफ्रीका के प्रमुख शॉपिंग मॉल में इस साल अभूतपूर्व संख्या में दिवाली उत्सव आयोजित किए गए हैं, जिसके जरिये रोशनी के इस त्योहार को पारंपरिक 'ब्लैक फ्राइडे सेल' से जोड़ा जा रहा है। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों में ब्लैक फ्राइडे की छूट का दायरा बढ़कर पूरे नवंबर महीने तक विस्तारित हो गया है, जिसे अब ब्लैक नवंबर कहा जाने लगा है।

दिवाली उत्सव और ब्लैक फ्राइडे सेल के बीच व्यावसायिक जुड़ाव की मुख्य वजह इन दोनों अवसरों का कैलेंडर में एक–दूसरे के करीब होना है। दिवाली नवंबर की शुरुआत में मनाई जाती है, जबकि ब्लैक फ्राइडे महीने के आखिरी शुक्रवार को होता है। शॉपिंग मॉल और बड़े खुदरा कारोबारी दिवाली को साल की चौथी तिमाही में त्योहारी खरीदारी की शुरुआत के आधिकारिक अवसर के रूप में इस्तेमाल करते हैं। खरीदारी का यह सिलसिला दिसंबर में क्रिसमस की पूर्व संध्या पर अपने चरम पर पहुंचता है।

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

# मेघन मार्कल के पिता थॉमस मार्कल अमेरिका में गिरफ्तार, बाल यौन शोषण सामग्री रखने का आरोप

टाम्पा (अमेरिका)। ब्रिटेन के प्रिंस हैरी की पत्नी और डचेस ऑफ ससेक्स मेघन के अलग रह रहे 82 वर्षीय पिता थॉमस मार्कल सीनियर को शुक्रवार को फ्लोरिडा के एक बुजुर्ग देखभाल केंद्र से गिरफ्तार किया गया। उन पर कैलिफोर्निया स्थित स्टोरेज यूनिट में बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री रखने का आरोप है। ब्रिटिश टैब्लॉयड अखबार द डेली मेल की ओर से पोस्ट किए गए वीडियो के मुताबिक, थॉमस मार्कल को हथकड़ी लगाकर व्हीलचेयर पर एंबुलेंस से ले जाया गया। इस दौरान संघीय एजेंट भी उनके साथ थे। अमेरिकी अटॉर्नी कार्यालय के प्रथम सहायक अटॉर्नी बिल एस्ली ने बताया कि मार्कल की गिरफ्तारी से पहले लॉस एंजिलिस क्षेत्र में स्थित स्टोरेज यूनिट (किराये के कमरे) से करीब 78 वस्तुएं जब्त की गई थीं।

इनमें स्लाइड, फिल्म निगेटिव और किताबें शामिल थीं, जिनमें बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी आपत्तिजनक तस्वीरें थीं। अदालत में दाखिल एफबीआई के हलफनामे के मुताबिक, कुछ तस्वीरों में मार्कल बच्चों के साथ दिखाई देते हैं। एस्ली ने कहा, ''ये आरोप बेहद गंभीर हैं और हम संघीय कानून के तहत मार्कल के खिलाफ पूरी सख्ती से मुकदमा चलाएंगे।'' अदालत की ओर से नियुक्त उनके वकील की टिप्पणी के लिए फोन और ईमेल के जरिये संपर्क किया गया, लेकिन तत्काल कोई जवाब नहीं मिला। पोल्क काउंटी में गिरफ्तारी के बाद मार्कल को टाम्पा की संघीय अदालत में पेश किया गया।




शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।